शब्द-यज्ञ में दीजिये आहुति तज अभिमान ।
आओ मिलकर गायें जन-गण-मन का गान ।।
– आशु

त्रैमासिक

सृजन

वर्ष : 18 अंक : 16

लीक से बँधकर चलना,
पुरानी चाल है।
खोजिए कोई नया पथ साथियों,
यह "सृजन" का सवाल है ।।
– विनय शंकर दीक्षित 'आशु'

नित नये-नये आयामों का,
सृजन करे इंसान ।
रवि के सम प्रकाश बिखराये,
और करे उत्थान ।।
– राजेन्द्र कुमार द्विवेदी

शब्दगंगा शुद्धि अभियान संस्थान व
सृजन साहित्यिक एवं सामाजिक सेवा संस्थान
'उदयन भवन', बी-525, आवास विकास कॉलोनी, उन्नाव (उ0प्र0)

सृजन व शब्दगंगा द्वारा सम्पन्न कार्यक्रमों की झलक

सृजन व शब्दगंगा द्वारा सम्पन्न कार्यक्रमों की झलक

सृजन

वर्ष-18 अंक-16

•••सम्पादक•••
डॉ० महेशचन्द्र मिश्र 'विधु'

••• प्रबन्ध सम्पादक •••
डॉ विनय शंकर दीक्षित 'आशु'

••• विशेष सम्पादक •••
कुंवर प्रेम कुमार सिंह

••• सह सम्पादक •••
राकेश तिवारी 'राही'

••• सम्पादक मण्डल •••
राकेश कुमार मिश्र, राजेन्द्र कुमार द्विवेदी, गोपाल शुक्ल, सुरेन्द्र वर्मा
धर्मवीर सिंह, मुकेश सैनी, पुष्पेन्द्र कुमार

••• परामर्श •••
पं. प्रेम कुमार दीक्षित, राजेन्द्र प्रसाद तिवारी, राम तनेजा
रवीन्द्र बाबू, अशोक कुमार चौधरी, राजेश शुक्ल
डॉ. जावेद खलीक, आशीष निगम, नवीन अग्रवाल

••• विशेष सहयोगी •••
प्रेम कुमार सिंह सेंगर, नीरज निगम, अजय शुक्ल,
अशोक कुमार 'मुन्ना सिंह', पवन निगम
ललित मिश्र, संजय गुप्ता, सुधीर तिवारी
शिवकिशोर 'राजू शुक्ल', सत्येन्द्र त्रिपाठी,
अवधेश सिंह, हिमान्शु चन्देल

••• प्रवक्ता •••
मनमोहन तिवारी
राकेश तिवारी 'राही'

••• प्रेरणास्रोत •••
भगवान वत्स सिंह चन्देल
राजेश त्रिपाठी

••• शब्द-संयोजन •••
अखिलेश त्रिवेदी
सौरभ पाण्डेय
राहुल राम द्विवेदी

••• विधि सलाहकार मण्डल •••
सुधांशु शुक्ल, (अधिवक्ता),
धर्मेन्द्र मिश्र (अधिवक्ता)
ओ०पी० तिवारी (अधिवक्ता)
राजेन्द्र सिंह (अधिवक्ता)

••• अंकेक्षक •••
गिरीश शुक्ल (चार्टर्ड एकाउन्टेंट)
जी.सी. शुक्ला एण्ड कम्पनी
543, मोतीनगर, उन्नाव

शब्दगंगा व सृजन परिवार के श्रद्धा सुमन
'सृजन' के
संस्थापक अध्यक्ष कर्मयोगी

श्री राम किशोर सिंह 'बाबा'

को अर्पित

शब्दगंगा व सृजन परिवार के श्रद्धा सुमन
'सृजन' के
संस्थापक मंत्री

श्री प्रवीण शंकर दीक्षित 'लाल'

को अर्पित

!! वाणी वन्दना !!

वर दे!,वीणावादिनि वर दे!
प्रिय स्वतन्त्र-रव अमृत मन्त्र नव
भारत में भर दे!

काट अन्ध उर के बन्धन-स्तर,
बहा जननि ज्योतिर्मय निर्झर,
कलुष भेद, तम हर, प्रकाश भर,
जगमग जग, कर दे!

नव-गति, नव-लय, ताल छन्द नव,
नवल कण्ठ, नव जलद-मन्द रव,
नव नभ के नव विहग-वृन्द को,

नव पर नव स्वर दे!
वर दे, वीणावादिनि वर दे!

-सूर्यकान्त त्रिपाठी "निराला"

राष्ट्रीय अध्यक्ष के पटल से.....

'शब्द–यज्ञ में दीजिए आहुति तज अभिमान।
आओ मिलकर गायें जन–गण–मन का गान।।'

संयोग है कि 18 नवम्बर, 2023 को सृजन साहित्यिक एवं सामाजिक सेवा संस्थान, सम सहभागी शब्दगंगा शुद्धि अभियान संस्थान का 18 वां राष्ट्रीय कवि–सम्मेलन आयोजित है।

विगत वर्षों से इतर इस वर्ष 'सृजन' ई–स्मारिका के 16 वें अंक का लोकार्पण ई–पत्रिका के रूप में हो रहा है, जो सम्भवतः उन्नाव की प्रथम ई–पत्रिका होगी। ई–स्मारिका (कागजमुक्त पत्रिका) के माध्यम से पर्यावरण–संरक्षण को भी प्रोत्साहन प्राप्त होगा और आधुनिक तकनीक के सदुपयोग को भी बल मिलेगा। शब्दगंगा व सृजन निरन्तर नूतन सोच व नव सृजन के पथ पर अग्रसर है।

इस वर्ष शब्दगंगा व सृजन अपने वार्षिक महोत्सव को अंतर्राष्ट्रीय साहित्य–कला महोत्सव के रूप में न मनाकर राष्ट्रीय कवि–सम्मेलन के रूप में मना रहा है, जिसे अंतर्राष्ट्रीय गौरव प्रदान कर रही हैं संयुक्त राज्य अमेरिका से पधारी प्रोफेसर बिन्देश्वरी अग्रवाल।

शब्दगंगा व सृजन संस्थान जहाँ एक ओर अंतर्राष्ट्रीय धरातल पर दुनिया के अभूतपूर्व वैचारिक महाभियान 'शब्दगंगा शुद्धि अभियान' (शब्द–प्रदूषण मुक्ति अभियान) हेतु शब्दों/भावों/विचारों की शुचिता के लिए कटिबद्ध है, वहीं स्थानीय व गैर स्थानीय स्तर पर सकारात्मक सोच के व्यक्तियों को संगठित करने में प्रयासरत है, जिससे सकारात्मक ऊर्जा का संचार हो और समस्त प्रकार के प्रदूषणों से मुक्ति मिल सके।

शब्दगंगा व सृजन परिवार उन सभी के प्रति हार्दिक आभार प्रकट करता है, जो शब्दगंगा शुद्धि अभियान के सहभागी, संवाहक व सारथी हैं और यथासम्भव इस अभियान को अपना सहयोग प्रदान कर रहे हैं।

धन्यवाद!

"शब्दों की गागर में भरता है भावों का सागर।
शब्द–शुद्धि अभियान चलायें मित्र, निरन्तर।।"

जय भारत! जय भारती!! जय शब्दगंगा!!!

– डॉ. विनय शंकर दीक्षित 'आशु'
संस्थापक/महामंत्री सृजन
राष्ट्रीय अध्यक्ष–शब्दगंगा संस्थान

सम्पादक की कलम से.....

सृजन साहित्यिक एवं सामाजिक सेवा संस्थान, उन्नाव अपना 18वाँ वार्षिक काव्योत्सव आयोजित कर रहा है जिसमें देश–विदेश के सृजन–हस्ताक्षरों का प्रतिमान सुनिश्चित किया गया है। साहित्य के माध्यम से सामाजिक संचेतना के जागरण का प्रसार प्रचार सर्वज्ञन हितकारी होता है। मानवीय संवेदना के स्वर राश्ट्र–निर्माण में स्वस्थ भूमिका का निर्वहन करते हैं। व्यक्ति का निर्मल मन होना समष्टि का सबल होना है। जो जहाँ पर है, वहीं से निज कर्तव्य को पूरी निष्ठा से निर्वहन करे। यही समय की पुकार है। कलम की ईमानदारी और कलमकार का शुचि संकल्प समाज को सशक्त प्रेरणा देकर राष्ट्र को गर्वोन्नित करता है। यही सृजन का संकल्प–रथ निरन्तर आगे बढ़कर विश्व बन्धुत्व की भावना को उद्दीप्त कर एकता और नेकता के सद्गुणों का विकास करता है। इन्हीं सद्विचारों से अनुप्राणित होकर इस संस्था के समस्त परिवार ने साहित्य, समाज और स्वच्छता का सेवा भाव अपनाकर दो दशक की महत्वपूर्ण उपलब्धियों के साथ गौरव प्रतिमान स्थापित किया है। वे सभी बधाई के पात्र हैं।

काव्योत्सव में उपस्थित कवि, कवयित्रियों श्रोताओं एवं शुभेच्छुओं के प्रति संस्था आदर भाव के साथ उन सभी का हार्दिक स्वागत करती है। आशा है कि विगत वर्षों की भाँति इस वर्ष भी यह साहित्यिक समाज–सेवा अनुष्ठान सफल होगा। धन्यवाद! जय हिन्दी : जय देवनागरी।

– महेशचन्द्र मिश्र 'विधु'

ब्रजेश पाठक
उप मुख्यमंत्री
उत्तर प्रदेश

कार्यालय : कक्ष सं0-91-91 मुख्य भवन
उ0प्र0 सचिवालय
दूरभाष : 0522-2238074/2213292 (का0)
लखनऊ

शुभकामना सन्देश

अत्यन्त प्रसन्नता का विषय है कि सृजन साहित्यिक एवं सामाजिक सेवा संस्थान व शब्दगंगा शुद्धि अभियान संस्थान उन्नाव की गौरवशाली परम्परा के संवाहन में दिनांक 18 नवम्बर 2023 को राष्ट्रीय काव्य एवं सम्मान समारोह का आयोजन कर रहा है। समारोहों में अपनी सहभागिता से मैं स्वयं को सौभाग्यशाली महसूस करता हूँ।

इस अवसर पर 'सृजन व शब्दगंगा' ई-स्मारिका का प्रकाशन समारोह को स्मरणीय बनाते हुये ऐसी 'शब्द-मंजूषा' समाज के सम्मुख प्रस्तुत करता है, जो मानव-मूल्यों की स्थापना में शंखनाद का अप्रतिम उद्‌घोष है।

समारोह व स्मारिका-प्रकाशन की सफलता हेतु हार्दिक शुभ-कामनायें व बधाई!

भवदीय

(ब्रजेश पाठक)

प्रति,
डॉ0 विनयशंकर दीक्षित 'आशु'
राष्ट्रीय अध्यक्ष
शब्दगंगा शुद्धि अभियान संस्थान

शकुन सिंह
अध्यक्ष
जिला पंचायत-उन्नाव

कार्यालय : जिला पंचायत, उन्नाव
दूरभाष : 0515-2820241
निवास : 31, हिरन नगर, उन्नाव
ग्राम : मुजाहिमपुर, पो. मगरवारा
जनपद-उन्नाव
फोन : 9935009745, 6390170707

शुभकामना सन्देश

यह जानकर बहुत प्रसन्नता हुई कि सृजन साहित्यिक एवंसामाजिक सेवा संस्थान व शब्द गंगा शुद्धि अभियान संस्थान उन्नाव की गौरवमयी साहित्यिक व सांस्कृतिक विरासत के संवाहन में राष्ट्रीय काव्य एवं सम्मान समारोह का आयोजन दिनांक 18 नवम्बर, 2023 को कर रहा है।

इस अवसर पर वार्षिक सृजन स्मारिका का प्रकाशन सराहनीय कार्य है। काव्य समारोह एवं ई-स्मारिका प्रकाशन हेतु मेरी हार्दिक शुभकामनाएं।

भवदीय
शकुन सिंह

राज बहादुर सिंह चन्देल
का0 सभापति
याचिका समिति एवं नेता निर्दलीय समूह

कार्यालय :
विधान परिषद् सचिवालय, लखनऊ
फोन नं.: 0522-2239790
आवास :
122, कृष्णानगर, बाबूगंज-उन्नाव
फोन नं.: 0515-2820909
मो.: 9415905949

शुभकामना सन्देश

मुझे यह जानकर हार्दिक प्रसन्नता हो रही है कि शब्दगंगा शुद्धि अभियान व 'सृजन' साहित्यिक एवं सामाजिक सेवा संस्थान के तत्वावधान में प्रतिवर्ष की भाँति इस वर्ष भी विराट काव्य व सम्मान समारोह दिनांक 18 नवम्बर 2023 दिन शनिवार को आयोजित हो रहा है। इस अवसर पर आपकी संस्था द्वारा सृजन ई-स्मारिका के 18वें अंक का लोकार्पण भी सम्पन्न किया जाना है। इस संस्था के द्वारा साहित्यिक एवं सामाजिक क्षेत्र में सृजन की अवधारणा एक स्तुत्य संकल्प है। वर्तमान युवा पीढ़ी को साहित्यिक क्षेत्र में काव्य गंगा की प्रवाहमयी अविरलधारा से संस्कारित करना एवं सामाजिक सेवा के क्षेत्र में अपनी रचनात्मक भूमिका हेतु प्रेरित करना आपकी संस्था की पावन संकल्पना है, जिस ओर यह संस्था निरन्तर अग्रसर है। मेरा विश्वास है कि लौकिक कुरीतियों से समाज को बचाने में यह ऊर्जावान संस्था अपनी पूरी सृजनात्मक क्षमता के साथ एक नया कीर्तिमान स्थापित करेगी।

मुझे आशा है कि संस्था की प्रकाशित स्मारिका समाज को रचनात्मक दिशा की ओर ले जाने एवं आत्म चिन्तन के लिये प्रेरित करती रहेगी।

इस शुभकामना के साथ

भवदीय

(राज बहादुर सिंह चन्देल)

पंकज गुप्ता
विधायक-सदर

निवास/कार्यालय :
1, बाबूगंज, उन्नाव

शुभकामना सन्देश

यह प्रसन्नता का विषय है कि सृजन साहित्यिक एवंसामाजिक सेवा संस्थान व शब्द गंगा शुद्धि अभियान संस्थान उन्नाव की गौरवमयी साहित्यिक व सांस्कृतिक विरासत के संवाहन में राष्ट्रीय काव्य एवं सम्मान समारोह का आयोजन दिनांक 18 नवम्बर, 2023 को कर रहा है।

इस अवसर पर सृजन ई-स्मारिका का प्रकाशन सराहनीय कार्य है। काव्य समारोह एवं ई-स्मारिका प्रकाशन हेतु मेरी हार्दिक शुभकामनाएं।

भवदीय
पंकज गुप्ता
विधायक-सदर

आशुतोष शुक्ला

मा. विधायक-भगवन्तनगर

निवास/कार्यालय :
पी.डी. नगर, उन्नाव

शुभकामना सन्देश

सृजन साहित्यिक एवं सामाजिक सेवा संस्थान व शब्द गंगा शुद्धि अभियान संस्थान उन्नाव की गौरवमयी साहित्यिक व सांस्कृतिक विरासत के संवाहन में राष्ट्रीय काव्य एवं सम्मान समारोह का आयोजन दिनांक 18 नवम्बर, 2023 को कर रहा है। अत्यन्त हर्ष का विषय है।

इस अवसर पर सृजन स्मारिका का प्रकाशन सराहनीय कार्य है। काव्य समारोह एवं ई-स्मारिका प्रकाशन हेतु मेरी हार्दिक शुभकामनाएं।

भवदीय

आशुतोष शुक्ला

विधायक-भगवन्तनगर

राजीव दीक्षित
आई0पी0एस0

अपर पुलिस अधीक्षक
उत्तर प्रदेश पी.ए.सी. मुख्यालय
गौतमबुद्ध नगर, उ0प्र0

शुभकामना सन्देश

प्रिय बंधु 'आशु',

शब्दगंगा शुद्धि अभियान संस्थान एवं 'सृजन' एवं सामाजिक सेवा संस्थान के तत्वावधान में दिनांक 18 नवम्बर 2023 को प्रायोजित राष्ट्रीय साहित्यकार सम्मेलन की सूचना पाकर अत्यन्त हर्ष एवं आनन्द की अनुभूति हुई।

बैसवारे की अत्यन्त समृद्ध एवं गौरवशाली साहित्यिक परम्परा से सम्बद्ध होकर ऐसे आयोजनों की एक सशक्त पृष्ठभूमि संस्थान के साथ पूर्व से ही है। इस वर्ष यह आयोजन अपेक्षाकृत अधिक व्यापक एवं वृहदरूप में आयोजित किया जाना अतिरिक्त गौरव एवं हर्ष का विषय है। निश्चित ही ऐसा आयोजन वर्षानुवर्ष के स्मृति-पटल पर गहन रूप से विद्यमान रहेगा, ऐसा मेरा पूर्ण विश्वास है।

इस अवसर पर प्रकाशित किये जाने वाली ई-स्मारिका के सफल एवं गुणवत्तापरक प्रकाशन हेतु मैं अपनी शुभकामनाएं प्रेषित करता हूँ।

मंगलकामनाओं सहित।

भवदीय
डॉ0 राजीव दीक्षित

श्वेता मिश्रा
अध्यक्ष
नगर पालिका परिषद-उन्नाव

कार्यालय :
नगर पालिका परिषद, उन्नाव
मो.: 9919692804

शुभकामना सन्देश

यह जानकर बहुत प्रसन्नता हुई कि सृजन साहित्यिक एवंसामाजिक सेवा संस्थान व शब्द गंगा शुद्धि अभियान संस्थान उन्नाव की गौरवमयी साहित्यिक व सांस्कृतिक विरासत के संवाहन में राष्ट्रीय काव्य एवं सम्मान समारोह का आयोजन दिनांक 18 नवम्बर, 2023 को कर रहा है।

इस अवसर पर वार्षिक सृजन स्मारिका का प्रकाशन सराहनीय कार्य है। काव्य समारोह एवं ई-स्मारिका प्रकाशन हेतु मेरी हार्दिक शुभकामनाएं।

भवदीय
श्वेता मिश्रा

राष्ट्रीय उपाध्यक्ष की कलम से.....✍

इस साहित्यिक यज्ञ मे, संकल्पित कर ध्यान ।
आप सभी प्रतिभाग कर, करें सफल अभियान ।।

शब्दगंगा शुद्धि अभियान संस्थान व सृजन साहित्यिक एंव सामाजिक सेवा संस्थान के तत्वावधान मे आयोजित 18वे राष्ट्रीय कविसम्मेलन में प्रतिभागी व सहभागी महानुभावों का हार्दिक स्वागत व अभिनंदन है । शब्दगंगा व सृजन संस्थान अपने साहित्यिक व सामाजिक आयोजनों के माध्यम से अन्तर्राष्ट्रीय व राष्ट्रीय सुधी जनों को मंच मे लाने का प्रयास करता आ रहा है । शब्दों की शुद्धता चिंतन, मनन, विचार व उद्‌गार की अवधारणा से सरोकार रखता है । दूषित शब्दों के प्रयोग से वृह्माण्ड प्रदूषित होता है । चूंकि शब्द शाश्वत, अजर–अमर है । जो पुनः लौटकर मानव चिंतन मे आकर शब्द प्रदूषण की वृद्धि करते है । शब्दगंगा की मूल धारणा बलवती हो तो वैचारिक चिंतन और कर्मों को गति व विस्तार मिलता है । शब्दगंगा व सृजन परिवार इन सुचित शाब्दिक विचारों व भावों के शुद्धिकरण हेतु संकल्पित प्रयासरत है ।

मैं पुनः शब्दगंगा व सृजन साहित्यिक अनुष्ठान मे पधारे प्रतिभागियों व सहभागियों का स्वागत, अभिनंदन और हृदय से उन सभी के प्रति सादर आभार व्यक्त करता हूँ ।

ओ.पी. तिवारी
राष्ट्रीय उपाध्यक्ष– शब्दगंगा
अधिवक्ता– हाईकोर्ट

सृजन द्वारा आयोजित अखिल भारतीय काव्य समारोह पर
पधारे वाणी पुत्रों का हार्दिक स्वागत एवं अभिनन्दन!

वसुन्धरा Jewels

A Symbol of Trust

ए-156, आवास विकास कॉलोनी, उन्नाव

9670403333, 9838620000

शाखाएँ :

970, आदर्श नगर, रायबरेली रोड, उन्नाव-209 801

9670888815, 8948444492

प्रेरणा गीत

मित्र कुछ काव्य रचना करो
मौन ही यदि तुम रह जाओगे,
संदेश जग को क्या दे जाओगे?
कुछ मुखर हो, कुछ सजग हो,
इस तरह घुट-घुट कर क्या पाओगे?
जिसको सुनना होगा सुनेगा,
नक्कारखाने में तूती ही बजाओ।
छोड़ चिंता आज के युग की,
पीढ़ियों के लिए सौगात छोड़ जाओ ।।
आधुनिक समीक्षकों से न डरो।
मित्र कुछ काव्य रचना करो ।।
हैं तुम्हारे विषय गंभीर भी यदि,
कविता उसमें भी बन सकती है।
ज्ञान-भण्डार सहेजे अपने में,
गीता जन-जन के मन में बसती है।।
तुम्हारा मौन स्वीकृति न बन जाये,
अतः कुछ सत्य कहकर के जाओ।
शब्द के वस्त्र जीर्ण-शीर्ण ही सही,
विचारों को आगे लेकर आओ ।।
मरण ध्रुव सत्य है, पर कुछ कह कर मरो ।
मित्र कुछ काव्य- रचना करो।।

(जुलाई 2011)
- उदय शंकर दीक्षित जी द्वारा।

पंडित हेमचन्द्र गोस्वामीः असमिया साहित्य-गंगा के भगीरथ

–डॉ० उदय शंकर दीक्षित

भारत की अधिकांश भाषाओं की जननी संस्कृत है। उनमें से हिन्दी सर्वाधिक बोली जाने वाली भाषा है, और अठारहवीं शताब्दी से लेकर अब तक हिन्दी भाषा और साहित्य में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। इसी प्रकार विभिन्न प्रदेशों की अन्य भाषाओं का भी विकास हुआ और विपुल साहित्य की रचना की गयी। कुछ भारतीय भाषाओं को अपने अस्तित्व की लड़ाई लड़नी पड़ी है, जिनमें असमिया भाषा एक है। असमिया भाषा का इतिहास बहुत पुराना है। इसे मुख्यतया तीन कालों में विभक्त किया जा सकता है–

(1) पुरातन काल से लेकर श्रीमंत शंकर देव के समय तक,

(2) श्रीमंत शंकर देव के समय से लेकर अंग्रेजी शासन तक,

(3) अंग्रेजी शासन से लेकर अब तक।

इनमें श्रीमंत शंकर देव के समय से अंग्रेजी शासन आने तक प्रचुर धार्मिक साहित्य का सृजन हुआ। प्रमुख रुप से इस साहित्य के आधार भारतीय संस्कृत ग्रंथ थे। इस साहित्य में उत्तर भारत का प्रभाव है, खास तौर से ब्रज भाषा का। आज भी असमिया भाषा और हिन्दी भाशा में समानता दृष्टिगोचर हो जाती है।

हिन्दी, असमिया बौर बंगाली भाषाओं में वस्तुतः बहन का रिश्ता है। इन तीनों भाषाओं की माता संस्कृत है। असमिया लिपि बंगाली लिपि से मिलती–जुलती है। फिर भी दोनों भाषाएँ इतनी पृथक हैं, जितनी कि हिन्दी और असमिया, बल्कि कुछ भाषाविदों का मानना है कि असमिया बंगाली की तुलना में हिन्दी के ज्यादा समीप है। विडंबना है कि अंग्रेजी–शासन काल में कुछ बंगाली बुद्धिजीवियों ने यह प्रचारित किया कि असमिया भाषा बंगाली की एक उपभाषा मात्र है। यह यथार्थ से परे बात थी। असम के कई युवा उभरते साहित्यकारों को बंगाली समाज द्वारा इस तरह का प्रचार अच्छा नहीं लगा और उन्होंने असमिया भाषा के उत्थान और अस्तित्व के लिए अपना जीवन समर्पित करने का निश्चय किया। उन युवकों में एक नाम है पंडित हेमचंद्र गोस्वामी का।

पंडित हेमचंद्र गोस्वामी का जन्म आठ जनवरी 1872 ई० में गोलाघाट में हुआ था। उनके पिता श्रीयुत डंबरुधर गोस्वामी एक मौजादार और माता श्रीयुता घनकांति देवी एक धार्मिक पतिव्रत–परायणा महिला थी। पंडित हेमचंद्र गोस्वामी का एक भाई और एक बहन थी। जब बालक हेमचंद्र मात्र आठ वर्श के थे, तभी उनके पिता का स्वर्गवास बनारस में हो गया, जिससे परिवार पर वज्रपात टूट पड़ा। ऐसे में घनकांति देवी ने बड़े धैर्य का परिचय दिया। उन्होंने बच्चों को घर पर ही शिक्षा दी और संस्कृत तथा असमिया साहित्य से भी परिचित कराया।

उस समय असम में नौगाँव शिक्षा का एक मुख्य केन्द्र था। तेरह साल की उम्र में हेमचंद्र ने नौगाँव अध्ययन हेतु प्रस्थान किया। सन् 1888 ई० में उन्होंने हाईस्कूल की परीक्षा पास की। इसके बाद उच्च शिक्षा हेतु वे कलकत्ता गये और प्रेसीडेंसी कॉलेज में दाखिला लिया। वहाँ जाकर उनको इस बात का आभास हुआ कि उन्हें अपनी भाषा की उन्नति को ही जीवन का ध्येय बनाना होगा। यदि भाषा की उन्नति नहीं की जायेगी, तो असमिया साहित्य बंगाली साहित्य के सागर में खो जायेगा। उस समय औपचारिक शिक्षा में उनका मन न लगा। बंगाली बुद्धिजीवियों के असमिया भाशा और साहित्य के प्रति अवधारणा से उनका मन क्षुब्ध हुआ। हिन्दी साहित्य के उन्नायक भारतेंदु हरिश्चन्द्र ने कहा है–

"निज भाषा उन्नति अहै सब उन्नति को मूल।
बिनु निज भाषा ज्ञान के मिटत न हिय को शूल।"

अपने हृदय के शूल को मिटाने के लिए प्रेसीडेंसी कॉलेज की पढ़ाई अधूरी छोड़कर पंडित हेमचंद्र गोस्वामी निज भाषा के लिए समर्पित हो गये। गोस्वामी जी ने शोध एवं तर्क द्वारा सिद्ध किया कि वस्तुतः असमिया भाषा का इतिहास बंगाली भाषा से भी पुराना है। कथा भागवत जैसे ग्रंथों का संपादन कर इस बात को दृढ़ किया कि असमिया भाषा में गद्य लेखन की परंपरा बहुत पुरानी है।

पंडित हेमचंद्र गोस्वामी गौहाटी के सोनाराम हाईस्कूल के प्रधानाचार्य के रुप में कार्यक्षेत्र में उतरे। इसके बाद शिलांग के सचिवालय में भी काम किया। उस समय असम की राजधानी शिलांग थी। नौकरी के साथ–साथ वे साहित्यिक गतिविधियाँ करते रहते थे। समय–समय पर अनुवाद का काम भी करते थे, जिससे स्थानीय सरकार की दृष्टि उन पर पड़ी। उनकी कार्यनिष्ठा और कार्यकुशलता को देख ब्रिटिश सरकार ने सन् 1897 में उन्हें सब–डिप्टी कलेक्टर के पद पर नियुक्त किया। उस समय वे पैंतीस वर्ष के थे। सन् 1905 में वे एक्सट्रा असिसटेंट कमीशनर (डिप्टी मजिस्ट्रेट) होकर गौहाटी में रहने लगे।

गौहाटी से उनका तबादला तेजपुर में हो गया, जहाँ उन्हें राय साहब पद्मनाथ गौहाटी–बरुआ का साथ मिला। राय साहब पद्मनाथ प्रसिद्ध साहित्यकार थे। सन् 1917 में असम साहित्य सभा की स्थापना हुई। राय साहब पद्मनाथ उसके प्रथम सभापति बने। पंडित हेमचंद्र गोस्वामी ने सन् 1920 ई० में असम साहित्य सभा के चौथे सभापति के रुप में कार्यभार सँभाला। सन् 1925 ई० में सरकारी सेवा से निवृत हो गये और पूर्णरुपेण साहित्य के लिए समर्पित हो गये। साहित्य–जगत को उनसे बड़ी अपेक्षायें थीं, परंतु दुर्भाग्यवश छप्पन वर्ष की अल्पायु में ही सन् 1928 ई० में उनका निधन हो गया।

छप्पन वर्ष के अल्पकाल में ही साहित्य का विपुल भंडार खड़ा कर दिया। उनके साहित्यिक योगदान को कम शब्दों में व्यक्त नहीं किया जा सकता है। असम–बंधु नामक पत्रिका में उनका पहला लेख 'असम में कृषि' विषय पर फरवरी–मार्च 1885 ई० में छपा। तब वे केवल 13 वर्ष के थे। सन् 1907 ई० में उनका एक कविता संग्रह छपा। सन् 1900 ई० में कर्नल गोर्डन के साथ मिलकर असमिया भाषा के प्रथम विस्तृत शब्दकोश हेमकोश को प्रकाशित किया। इस शब्दकोश पर श्री हेमचंद्र बरुआ काम कर चुके थे। उनके निधन के उपरांत अप्रकाशित पांडुलिपि प्रकाशक के यहाँ पड़ी थी। तभी सन् 1897 ई० में असम में भयानक भूकंप आया था। भूकंप से प्रकाशन केन्द्र ध्वस्त हो गया और पांडुलिपि के पन्ने इधर–उधर बिखरे थे। पंडित हेमचंद्र गोस्वामी ने परिश्रम पूर्वक पांडुलिपि के पृष्ठों को सहेजा। रिक्तता की पूर्ति की और अंततः सन् 1900 ई० में श्री हेमचंद्र बरुआ के सपने को पूरा करने साथ असमिया भाषा और साहित्य को बड़ी सौगात दिया।

सन् 1922 ई० में प्राचीन असम इतिहास पुस्तक की खोज कर संपादित कर प्रकाशित किया। इसमें सन् 1228 ई० से लेकर सन् 1696 ई० तक अहोम राजाओं का इतिहास है। इस प्रकार कई विलुप्तप्राय ग्रंथों को खोजकर संपादित व प्रकाशित किया।

पंडित हेमचंद्र गोस्वामी का गृहस्थ जीवन सुखपूर्वक बीता। उनके चार पुत्र और तीन पुत्रियाँ हुई। उनके तीसरे पुत्र श्री प्रफुल्ल चंद्र के पुत्र डॉ० नब गोस्वामी अमेरिका के जाने–माने हृदयरोग विशेषज्ञ हैं। वे समाजसेवा में अग्रणीय हैं। उन्होंने अपने पितामह पंडित हेमचंद्र गोस्वामी के नाम से एक न्यास का गठन किया है, जिसका उद्देश्य पंडित हेमचंद्र की स्मृति को जीवित रखते हुए समाज की सेवा करना है। आशा है नयी पीढ़ी पंडित हेमचंद्र गोस्वामी के व्यक्तित्व से प्रेरणा लेकर अपनी भाषा और संस्कृति से जुड़ी रहेगी।

जाँच पक्की तो
बीमारी से मुक्ति

घर, क्लीनिक एवं हॉस्पिटल से
सैम्पल लाने की सुविधा
24x7 घण्टे उपलब्ध है

ADC
ARYAN DIAGNOSTIC CENTRE

आशुतोष चौहान

आर्यन डायग्नोस्टिक सेन्टर

पैथोलॉजी - डिजिटल एक्स-रे - कंप्यूटराइज्ड रिपोर्ट्स

हॉर्मोन, थाइराइड, डायबिटीज, बलगम, पसपानी, गठिया, गाँठ, लीवर, किडनी, हार्ट, टी बी, ब्लड प्रेशर, पेशाब, वीर्य एवं सभी अन्य प्रकार की जाँचें उचित मूल्य पर उपलब्ध हैं।

Mob.: 8353995455, 8353965455, 9643468543

सी–228, ब्लाक, एल.आई.सी. ऑफिस रोड, आवास विकास कॉलोनी, उन्नाव

E-mail : aryandiagnosticcenter252@gmail.com

सृजन–21

जीवन में अन्त नहीं उम्मीदों का

जीवन मे अन्त नहीं उम्मीदों का ।
उमड़ा प्यार यहाँ दिल मे ,
संदेश वहाँ तक जाता है ।
बिन बोले तो देखो कैसे ,
दिल से दिल मिल जाता है ।

जो नहीं कहा मुख से ,
वह भी जाहिर हो जाता है ।
कोई मोल नहीं है मीतो का ,
जीवन मे अंत नहीं उम्मीदों का ।

गाया दर्द यहाँ मैने ,
कसक उठी है और कहीं ।
बिन बोले रब हिलते हैं ,
मन मे बसा हुआ है भाव ,
शब्द नहीं मुखरित गीतों का .
जीवन मे अंत नहीं उम्मीदों का ।

रिश्ते–नाते कोई नहीं ,
फिर भी अजीब सा बंधन है ,
पग ढूँढ़ रहा नातों को ,
मन ही मन मुस्काता है ,
क्या रिश्ता इन रीतों का ?
जीवन मे अंत नहीं उम्मदों का ।

- प्रेम कुमार सिंह सेंगर

MR. CAKE SHAKE BAKERY

PREMIUM QUALITY
IMKIS
MR. CAKE SHAKE
EST. 2020
MADE WITH LOVE

मिस्टर केक शेक बेकरी

बेकर्स, नमकीन, आइसक्रीम

केक/पेस्टी | शेक/जूस | नमकीन

बिस्किट | चिप्स/पापड़ | पेस्ट्रीज

क्रीमरोल | कोल्ड्रिंक्स | दूध/दही/मट्ठा

लस्सी | ब्रेड पाव/जीरा | काजू/नान खटाई

छेना/रसगुल्ला | हल्दीराम नमकीन | बालाजी नमकीन

मैगी | स्पेशल समोसा | हल्दीराम अचार

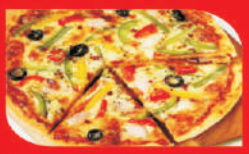

©AM#9935037424

हमारे यहाँ सभी प्रकार के बेकरी उत्पाद, फ्रेश क्रीम केक पेस्ट्रीज, कप केक आदि बिना अण्डे के बनाये जाते हैं।

हमारे यहाँ शादी, बर्थ-डे, पार्टियों, मीटिंग आदि के नाश्ते आदि के आर्डर बुक किये जाते हैं।

SWIGGY

होम डिलीवरी सुविधा उपलब्ध है

Ph.: 0515-7962070, 6306058563

zomato

चंदा

कुछ सर्दी, कुछ गर्मी, कुछ बेशर्मी भी होनी चाहिए।
चंदा लेने के खातिर कुछ बेरहमी भी होनी चाहिए।
यदि नहीं सृजित किए हैं ये गुण अपने अन्दर,
तो बड़ा कठिन है आयोजन चंदे के बल पर।

बड़े–बड़े दानवीर चंदा देने से घबरा जाते हैं।
वे बड़े वीर हैं, जो चंदा बढ़–चढ़ कर दे जाते हैं।
धरती पर चंदा पाना आसमान का चंदा पाना जैसा है।
चंदा का आयोजन सब मिलकर छप्पर उठाना जैसा है।

–विनय आशु– उन्नाव

जनता जानती कितना हुआ भला है

क्या करूँ देखकर तुम्हारे आँकड़े और तुम्हारी अकड़?
जी रहा है जिन्दगी आदमी किसी तरह रगड़–रगड़।

सियासी रंग में रंगे आँकड़े झूठ की बयानी कर रहे हैं।
झूठ की गर्जना में सच बोलने वाले नर डर रहे हैं।

फाइलों में विकास के बादल बरसे, इश्तहारों में रामराज्य उतरा है।
पूरी नहीं हो पाई होरी की पढ़ाई व दवाई, बिन मौत मरीज मरा है।

तुम्हारी फाइलों और जमीनी हकीकत में खासा फासला है।
बताने की जरूरत नहीं, जनता जानती कितना हुआ भला है।

–विनय आशु– उन्नाव

SMA
सोलर

IN INDIA, BY INDIANS
DEPARTMENT OF ADDITIONAL SOURCES OF ENERGY, GOVERNMENT IN INDIA, BY INDIANS OF UTTAR PRADESH
MSME
MNRE APPROVED

बिजली के बिल से छुटकारा, अपनी बिजली खुद बनायें

ए०सी०, समरसेबल, ट्यूबवेल,
आटा चक्की कुछ भी चलायें

सोलर पैनल, बैटरी, इनवर्टर

किस्तों में उपलब्ध

सब्सिडी का लाभ उठायें

On Grid	Off Grid
सोलर पैनल छत पर लगा होता है लेकिन बिजली उत्पादन सरकार को भेज रहा होता है।	आपका अपना पावर बैंक होता है।
जब बिजली आयेगी तभी बिजली रहेगी। बैटरी वैकल्पिक होती है।	24 घण्टे बिजली रहती है। तथा बैटरी के साथ होता है।
जितने किलोवॉट का सैंक्शन लोड होगा, उतना ही लगवा सकते हैं।	आवश्यकतानुसार कितना भी लगवा सकते हैं।
नेट मीटर लगता है, जो आपके उपयोग और उत्पादन दोनों का हिसाब दिखाता है।	नेट मीटर की आवश्यकता नहीं होती।
अधिक उत्पादित बिजली सरकार द्वारा देय होती है।	

WAAREE® One with the Sun
TATA POWER SOLAROOF
EXIDE INDUSTRIES LIMITED
Livguard energy unlimited
LUMINOUS® Enjoy Technology
HAVELLS
UTL सोलर

- 1 किलोवाट सोलर एक दिन में 3 से 6 यूनिट बिजली बना सकता हैं ।
- ऑफ ग्रिड सोलर में जितने किलोवाट का इन्वर्टर लगा है उसके 70% का लोड डाल सकते हैं।
- ऑन ग्रिड सोलर से आप कितनी बिजली बना रहे और कितनी उपयोग कर रहे इसके अंतर का पैसा/ यूनिट आपको सरकार से लेना /देना होगा ।
- अगर आपने माह में 10 यूनिट बिजली बनाई और 8 यूनिट बिजली का उपयोग किया तो 2 यूनिट का पैसा या 2 यूनिट बिजली सरकार से चार्ज करेंगे ।
- वहीं अगर उत्पादन 8 यूनिट और उपयोग 10 यूनिट हुआ तो आपको 2 यूनिट का पैसा देना होगा ।

बन्थरा बाजार, लखनऊ-226401
E-mail: smasolar19@gmail.com Mob.-9335880990

जीना है तो पहले मर

उलझन तो है जीवन भर ।
कुछ तो अपने मन का कर ॥

★★★

छोड़ जहां जाना सब को ,
एक किराये का है घर ।

★★★

समय नहीं रोके रुकता ,
स्वप्न जाये न कहीं बिखर।

पाप-पुन्य की परख रखो,
दुख-सुख आयें कर्मो पर।

★★★

दुनियांदारी उलझाये ,
गलत नहीं तो काहे डर ।

★★★

'राही' जीवन सरल नही,
जीना है तो पहले मर ॥

– राकेश तिवारी 'राही'

2YoDo TV
2YoDoINDIA News Network

Rahul Ram Dwivedi(Founder)

2YoDoINDIA News Network

KNOW THE SENSE OF NEWS | WWW.2YODOINDIA.COM | UDYAM-UP-74-0006822

2YoDoINDIA News Network (2YoDo TV) is an independent media organization dedicated to covering news from India and elsewhere with a focus on progressive movements. Founded in 2019, 2YoDoINDIA News Network has, over the years, become one of India's most consistent chroniclers of diverse people's movements and struggles. 2YoDoINDIA News Network also focuses extensively on science and technology, and on data journalism. 2YoDoINDIA News Network is owned by 2YoDoINDIA Private Limited. and was founded by Rahul Ram Dwivedi, who is also the Editor-in-Chief of the organisation. An Editorial Collective manages the day-to-day affairs of the organisation.

If you have feedback or suggestions, do send a mail at rrd@2yodoindia.com

Download on the App Store | GET IT ON Google Play | LIVE | 2YoDo TV

2YoDo ARMY

|| तेरा तुझको अर्पण क्या लागे मेरा ||

The NGO

UPAKRITAM TO YOUR DOOR | WWW.2YODOINDIA.IN

TEAM 2YODOARMY

आरती

- सारिका तिवारी
आवास विकास कॉलोनी
उन्नाव (उ.प्र.)

आरती गाओ जमदिग्न लला की।
रेणुका मां भृगुनन्दन सुत की॥

अतुलित बल है तुम्हरो विधाता।
ब्राह्मण कुल तुमतसे विख्याता॥
गाऊ मंगल प्रभु करू आरती।
जय,जय,जय श्री परशुराम की॥

आरती गाओ जमदिग्न लला की।
रेणुका मां भृगुनन्दन सुत की॥

आरती गाओ जमदिग्न लला की।
रेणुका मां भृगुनन्दन सुत की॥

मोर मनोरथ तुमही जानो।
कष्ट हरौ प्रभु विपति उबारौ॥
विप्र रूप षोडष अवतारा।
धरै सारिका ध्यान तुम्हारा॥

जब,जब,बढै अधर्मी पापी।
सरल,सहज,करूणामय रासी॥
तब -तब मिटै हरै सब पीरा।
परशुराम धरती के वीरा॥

आरती गाओ जमदिग्न लला की।
रेणुका मां भृगुनन्दन सुत की॥

दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं
Suraj
UNNAO
Ph.-8896611381
अंकित मिश्रा
Mob.: 9415076101
सृजन-29

गीत

हे युवक ! तुम ही बताओ
ये तुम्हें क्या हो गया है?

मुख मलिन आंखें उनींदी
शून्य में खोया हुआ मन।
सलवटे माथे पे अगणित
रुग्ण सा जर्जर शिथिल तन।।

पुष्प सा सुरभित तुम्हारा
आचरण क्यों खो गया है?
हे युवक! तुम ही बताओ
ये तुम्हें क्या हो गया है?

चित्त सरि से चेतना का
दूर इतना कूल क्यों है?
मार्ग जो तुमने चुना वो
लक्ष्य से प्रतिकूल क्यों है?

कौन मस्तक में तुम्हारे
बीज कलुषित बो गया है?
हे युवक !तुम ही बताओ
ये तुम्हें क्या हो गया है?

ये तुम्हारे हाथ सैरिंध्री
के द्रगजल से सने है।
भ्रात अर्जुन के सदृश
इस हेतु ही दुश्मन बने हैं।

कृत्य से देखो तुम्हारे
कुल कलंकित हो गया है।
हे युवक !तुम ही बताओ
ये तुम्हें क्या हो गया है?

– पुष्पेन्द्र 'प्रेमी'

कार्यालय नगर पालिका परिषद, उन्नाव

18वाँ राष्ट्रीय कवि सम्मेलन के आयोजन व ई-स्मारिका के प्रकाशन पर देशवासियों/प्रदेशवासियों/नगरवासियों की हार्दिक शुभकामनाएँ, नगर पालिका परिषद, उन्नाव द्वारा नगरवासियों की निम्न सुविधायें उपलब्ध कराई जा रही हैं।

नागरिकों से अपील

स्वच्छ सर्वेक्षण–2023 के अन्तर्गत नगर क्षेत्र की साफ–सफाई (सड़कों/गलियों/नाला–नालियों की नियमित सफाई/सिल्ट निस्तारण/डोर–टू–डोर कूड़ा, कलेक्शन/सार्वजनिक/सामुदायिक शौचालयों का निर्माण आदि) एवं उ0प्र0 राज्य ठोस अपशिष्ट प्रबंधन की नीति के तहत प्लास्टिक के बैगों का उत्पादन विक्रय और उपयोग की पूर्णतः प्रतिबन्धित कर दिया गया है। सभी दुकानदारों थोक विक्रेताओं, ठेलावालों, फेरीवालों सब्जीवालों सहित आम–जनमानस से अपील है कि–

- किसी भी प्रकार के प्लास्टिक/थर्माकोल के बैग, गिलास, कप, प्लेट, थाली आदि का प्रयोग स्वास्थ्य एवं पर्यापरण की दृष्टि के हानिकारक है। इसलिये इसका प्रयोग कदापि न करें।
- प्लास्टिक/थर्माकोल के बैग, गिलास, कप, प्लेट, थाली आदि प्रतिबंधित कर दिये गये हैं। इसका विक्रय व उपयोग वर्जित है।
- प्लास्टिक/थर्माकोल के बैग, गिलास, कप, प्लेट, थाली आदि के सीन पर कपड़े, कागज आदि का प्रयोग मानवहित है। स्वास्थ्य पर्यावरण की दृष्टि से महत्वपूर्ण है।
- कोई भी दुकानदार थोक विक्रेता, ठेलावालों, फेरीवालों, फलवालों, सब्जीवालों सहित आम जनमानस द्वारा प्लास्टिक/थर्माकोल के बैग, गिलास, कप, प्लेट, थाली आदि का प्रयोग करते हुए पाये जाने पर उ0प्र0 राज्य ठोस अपशिष्ट प्रबन्धन की नीति के तहत नियमानुसार जुर्माना लगाया जायेगा।
- घर अथवा दुकान में जनित (Genrate) होने वाले गीला एवं सूखा कूड़ा को अलग–अलग डस्टबीन में एकत्र करें।
- नगर को स्वच्छ रखने के लिये कूड़े को नगर पालिका द्वारा अधिकृत घर–घर से कूड़ा एकत्र करने वाले पालिका कर्मी को ही दें। कूड़े को किसी भी दशा में नाले/नाली, सड़क अथवा खुले स्थान में न फेंके और न ही जलाएं। कूड़ा खुले में फेंकने से गंदगी होती है जो दण्डनीय अपराध है।

डेंगू और मलेरिया से बचाव हेतु उपाय

1. अपने घर के आस–पास नालियों में पानी जमा न होने दें तथा पानी से भरे गड्ढों में मिट्टी भर दें।
2. पानी के बर्तनों, टंकियों आदि को ढंककर रखें।
3. सोते समय कीटनाशक से उपचारित मच्छरदानी का उपयोग करें।
4. हैण्डपम्प के आस–पास सीमेंट से पक्का फर्श व नाली बनवायें। किसी भी स्थिति में कीचड़ व गंदगी न होने पाये।
5. कूलर, पशु–पक्षियों के बर्तन, हौदी (चरही), फ्रीज की ट्रे, फूनदान इत्यादि को प्रत्येक सप्ताह खाली करें व धूप में सुखाकर प्रयोग करें।
6. यदि कपकपी के साथ अचानक सिरदर्द व तेज बुखार एवं बार–बार पसीना आने, मांसपेशियों में दर्द होना, आँखों के पीछे दर्द होना, जी मिचलाना या उल्टी होना, नाक–मुंह–मसूड़ों से खून आना, त्वचा पर चकत्ते उमड़ना आदि लक्षण डेंगू/मलेरिया के हो सकते हैं। ऐसी स्थिति में चिकित्सक के सलाह लेकर उपचार करायें।

(ओम प्रकाश)
अधिशासी अधिकारी
नगर पालिका परिषद, उन्नाव

(श्वेता मिश्रा)
अध्यक्ष
नगर पालिका परिषद, उन्नाव

माननीय समस्त सदस्यगण

श्रीमती किरन, श्री शिव वीरेन्द्र कुशवाहा, श्री राकेश कुमार, श्रीमती प्रेमा, श्री राजेन्द्र भारतीय, श्रीमती मीरा देवी आर्या, श्रीमती सियादुलारी
श्री रवि कुमार, श्री दिलशाद, श्री निशेष कुमार जायसवाल, श्रीमती शिव कुमारी, श्रीमती गुड़िया सिंह, श्री ओमेन्द्र प्रताप सिंह
श्री सुशील तिवारी, श्री मनोज कुमार, श्रीमती हिना, श्री बृजेश पाण्डेय, श्रीमती लक्ष्मी देवी, श्री सतीश यादव, श्री मोहम्मद फहद
श्री अमित सिंह, श्रीमती करूणा, श्रीमती स्वप्निल, श्री दीपक, श्रीमती रीता सिंह, श्री दिनेश कुमार, श्री अशोक कुमार सिंह
श्री यासीन अहमद, श्रीमती नीलम, श्री मेराजुद्दीन, श्री अरफात बेग, श्रीमती रूकैय्या बेगम।

नगर पालिका परिषद, उन्नाव

सृजन-31

दत्तक पुत्र

- सरस 'आजाद'

–रु39यतो हम क्या करें, पापा? मैंने आपको सारी समस्याएं पहले ही बता दी हैं।'मुकेश ने अपने पिताजी की ओर देखा।
'जानता हूँ, बेटा। लेकिन, जब समस्याएँ होती हैं, तो समाधान भी होते हैं।' इंद्रजीत शर्मा (मुकेश के पिताजी) ने अपनी शाम की चाय का एक घूँट लेते हुए कहा।
'हमने समाधान करने की भी तमाम कोशिशें की हैं। बारह सालों से हम लगातार डॉक्टरों के पास जा रहे हैं और इलाज ले रहे हैं। फिर भी अनीता गर्भधारण नहीं कर पा रही है, तो हम क्या कर सकते हैं?' झल्लाते हुए मुकेश बोला।
'मैं तुम्हारे साथ पूरी तरह से सहमत हूँ। लेकिन...' 'हमने IVF भी करवाया है। आपको शायद पता न हो लेकिन इतनी दर्दनाक प्रक्रिया है ये...' मुकेश ने अपनी आंखें बंद कर लीं और उन छणों को याद करके सिर हिलाने लगा।
'मैं सब जानता हूँ, बेटा। तुम्हें मुझे कुछ बताने की जरूरत नहीं है। मैं बस इतना कहना चाहता हूँ कि अभी भी एक रास्ता है।'
'कौन सा?' मुकेश ने अपने पिताजी की ओर देखा।
इंद्रजीत ने अपनी चाय का एक और घूँट लिया और बोले।
'गोद लेना। तुम एक बच्चा गोद ले सकते हो।'
'आप पागल हो गए हैं क्या, पापा?'
'इसमें पागल होने जैसी क्या बात है?' इंद्रजीत ने पूछा।
मुकेश ने हाथ में लिए अखबार को सामने रखी मेज पर फेंका और सामने सोफे पर बैठ गया।
'तुमने मेरे सवाल का जवाब नहीं दिया, बेटा,' इंद्रजीत ने कहा।
'मैं किसी और के बच्चे को स्वीकार नहीं कर सकता। मुझे कैसे पता चलेगा कि उस बच्चे का खानदान क्या है! जात–पांत क्या है। कैसा खून है।' मुकेश सोफे पर पीछे होकर दोनों हाथों से अपने चेहरे को सहलाने लगा।
–रु39यहम ये स्वेच्छा से नहीं कर रहे हैं। क्योंकि हमें इस घर में एक बच्चा चाहिए और ये स्वाभाविक तौर पर नहीं हो पा रहा है।'
'तो हम एक बच्चा गोद ले लें?' मुकेश ने अपने पिताजी की ओर गुस्से से भरी नजरों से देखा। 'नहीं, पापा। अगर कोई बच्चा इस घर में आता है, तो वह मेरा खून होगा। वरना, हम ये स्वीकार कर लेंगे कि माता–पिता बनना हमारे भाग्य में नहीं है।'
'इतना नकारात्मक मत बनो, बेटा। मैं ये सब इसलिए कह रहा हूँ क्योंकि इसमें मेरा भी स्वार्थ है। मैं अपने अंतिम कुछ वर्ष अपने पोते–पोतियों के साथ बिताना चाहता हूँ। तुम्हारी माँ के जाने के बाद से मैं बहुत अकेला महसूस करता हूँ।' इंद्रजीत की आंखें डबडबा आयीं और गला रुंध गया।
'मैं आपकी भावनाओं को समझता हूँ, पापा।' मुकेश ने अपने पिताजी के हाथों को अपने दोनों हाथों के बीच ले लिया और उनकी आँखों में देखा। हालाँकि, इंद्रजीत नीचे देख रहे थे। 'लेकिन, प्लीज, आप भी मेरी भी भावनायें समझने का प्रयास कीजिये। हमें कुछ साल और कोशिश करने दीजिये। प्लीज!'
इंद्रजीत ने अपनी आंसुओं से भरी आँखों से अपने बेटे की आँखों में देखा और मुस्कुराते हुए हामी भर दी। एक आंसू की बूँद चेहरे की झुर्रियों के रास्ते, सफेद हो चुकी दाढ़ी के कुछ बालों को भिगोती हुई नीचे जमीन पर गिर गई।
एक और साल बीता लेकिन मुकेश पिता न बन सका। फिर उसने और उसकी पत्नी ने सरोगेसी (किराये की कोख) के विकल्प पर विचार करना शुरू किया। उसके रिश्तेदारों में से एक महिला ने मुकेश के लिए सरोगेट मां बनने के लिए सहमति दे दी। लेकिन उसी दौरान उसके पिता इंद्रजीत बीमार पड़ गए। बुखार उनके शरीर को दीमक की तरह चाटने लगा।
एक शाम उनकी सांस अनियमित हो गई। डॉक्टर ने मुकेश को बताया कि उसके पिता अपने अंतिम समय में थे। मुकेश बहुत करीब था अपने पिता से। और माँ के जाने के बाद वो और भी करीब आ गया था उनके।
वो अपने पिता के पास उनका हाथ अपने हांथों में लेकर बैठा हुआ था।
–रु39यपापा...–रु39य रुंधे गले से उसने तीसरी बार आवाज लगाई। इंद्रजीत ने आँखें खोली और अपने बेटे की आँखों में देखा। फिर उनका मुँह धीरे से खुला। शायद कुछ कहना था उनको। लेकिन कुछ नहीं बोल सके। मुकेश की पत्नी ने उनके मुंह में गंगाजल की कुछ बूँदें डालीं। इंद्रजीत की बाएं आंख में एक छोटी सी आंसू की बूंद उभरी और पोर से नीचे लुढ़क गई।
–रु39यपापा, उठो। आपको पता है, बहुत जल्द आप दादा बनने वाले हैं।–रु39य मुकेश ने पिता का हाथ सहलाते हुए कहा। उसके रुंधे गले से शब्द निकाले न निकलते थे। उसकी पत्नी भी उसके पास बैठी थी।
इंद्रजीत मुस्कुराना चाहते थे लेकिन उनके होंठ उनका साथ नहीं दे रहे थे। इसी जद्दोजहद में एक आंसू और उनकी आंख में आया और एक बार फिर से नीचे लुढ़क गया। उनका मुंह खुला रह गया और आँखें भी। कभी न बंद होने के लिए।
–रु39यपापा...–रु39य मुकेश ने अपने पिताजी को हिलाया। लेकिन वो अब कहाँ थे। उसने हारे मन से कई बार कोशिश की। लेकिन पंछी तो उड़ चुका था, पुराने, जर्जर हो चुके पिंजरे को छोड़। मुकेश दहाड़ मार कर रोया किसी बच्चे की तरह जिसका सबसे प्यारा खिलौना टूट गया हो। उसका विलाप देखकर उसकी पत्नी भी फूट–फूट कर रोने लगी।
अगले हफ्ते तक कई रिश्तेदार मुकेश और उसकी पत्नी से मिलने और उन्हें सांत्वना देने आते रहे।

तेरहवीं को एक व्यक्ति ने अपना परिचय मुकेश के पिता के मित्र के रूप में दिया। उसने अपना नाम केशव बताया। सारे मेहमान जाने के बाद वो काफी देर तक मुकेश से बात करता रहा। मुकेश का मन भी कुछ हल्का हुआ।
'इंद्रजीत और मैंने इंटरमीडिएट तक साथ में पढ़ाई की थी। हम सबसे अच्छे दोस्त थे।'
'हाँ, पापा ने एक–दो बार आपकी चर्चा की थी।' मुकेश ने कहा।
'उसके बाद मुझे एक बैंक में नौकरी मिल गयी, और इंद्रजीत एक शिक्षक बन गया।' केशव ने गहरी साँस ली। 'मैं दिल्ली चला गया और वह लखनऊ आ गया। फिर कई सालों तक हम संपर्क में नहीं रहे। वो तो भला हो हमारे एक अन्य मित्र का जिससे मुझे इंद्रजीत का नंबर मिला और हम फिर से संपर्क में आ गए।'
मुकेश ने सिर हिलाया। उसे केशव अंकल की बातें अच्छी लग रही थीं।
'भाभी जाने के बाद, वो अक्सर मुझे फोन कर लिया करता था। वो भाभी को बहुत याद करता था।
और ये भी कहता था कि वह अपने आखिरी कुछ वर्ष अपने पोते पोतियों के साथ खेलते हुए बिताना चाहता था।'
मुकेश ने ध्यान से उनकी तरफ देखा। उसे भी इस बात का बड़ा मलाल था कि वो पिता की आखिरी इच्छा पूरी नहीं कर सका।
'बल्कि कई बार वो मुझसे ये भी पूछा करता था कि अगर दिल्ली में कोई अच्छा स्त्री–रोग विशेषज्ञ डॉक्टर हो तो बताओ।'
'तो, आपने क्या कहा?' मुकेश ने पूछा।
'मैंने उसे कुछ नाम बताए। लेकिन...'
'लेकिन क्या?'
'फिर उसने कभी इस विषय पर बात नहीं की। मैंने भी बार बार पूछना उचित नहीं समझा।' केशव ने कहा। 'जब मैंने पिछले हफ्ते यह खबर सुनी, तो मैंने तय किया कि उसकी तेरहवीं में जरूर जाऊंगा। –रु39यधन्यवाद, अंकल। आप दोनों बेशक सबसे अच्छे दोस्त थे। वरना, कौन जिंदा लोगों की परवाह करता है, मरे हुए की तो बात ही छोड़िये!'
केशव बड़े ध्यान से मुकेश की तरफ देख रहा था । 'क्या तुम लोगों ने कभी किसी बच्चे को गोद लेने का विचार किया? अगर तुमने इस विकल्प पर विचार किया होता, तो इंद्रजीत की आखिरी इच्छा पूरी हो जाती।' मुकेश को केशव अंकल की इस बात से बड़ी हैरानी हुई। इतने व्यक्तिगत मुद्दे पर वो कैसे उससे इतने प्रत्यक्ष रूप से बात कर सकते थे। उसे ये बात बिल्कुल पसंद नहीं आयी। 'मेरे ख्याल से ये बहुत व्यक्तिगत मसला है, अंकल। इस पर बात करना मैं ठीक नहीं समझता।' उसने कहा। 'हाँ, मानता हूँ। लेकिन इंद्रजीत ने मेरे साथ एक बार इस विषय पर चर्चा छेड़ी थी। उसने ये भी बताया था कि तुम इसके लिए तैयार नहीं थे।' 'हो सकता है पापा ने ये सब बातें आपसे कही हों क्योंकि आप दोनों अच्छे दोस्त थे।–रु39य मुकेश ने केशव अंकल की तरफ देखते हुए कहा। –रु39यहम नहीं हैं, अंकल।' 'उसने मुझसे कहा था कि तुम किसी और के बच्चे को स्वीकार नहीं कर सकते।' 'अंकल, कृपया बंद करो ये सब! यह सच में बहुत ही व्यक्तिगत है मेरे लिए। मेरे ख्याल से अब आपको निकलना चाहिए।' 'किसी बच्चे को गोद लेने में क्या बुराई है?' मुकेश अपनी जगह खड़ा हो गया और इशारों में केशव को भी खड़ा होने के लिए कहा। 'देखिये, मैं आपकी इज्जत कर रहा हूँ क्योंकि आप पापा के दोस्त हैं। लेकिन मेरा आपसे किसी भी तरह का प्रवचन सुनने की कतई इच्छा नहीं है।' 'अगर इंद्रजीत ने भी तुम्हारी तरह सोचा होता' केशव कुछ छण के लिए रुका और फिर बोला, 'तो तुम्हे पापा शब्द का अर्थ तो पता होता लेकिन तुम्हारे पास पापा बोलने के लिए कोई नहीं होता।–रु39य मुकेश के मानो पैरों तले जमीन खिसक गई। उसका दिल धक् से बोला। आँखों में लाल धागे उभर आये और होंठ कंपकपाने लगे। कुछ मिनटों तक वो समझ ही नहीं पाया कि क्या कहे। 'क्या...क्या... बकवास... है ये। आपकी हिम्मत कैसे हुई मुझसे ये बकवास करने की। कौन हो तुम। कोई बहुरुपिया। तुम खुद को पापा को सबसे अच्छा दोस्त कहते हो? और ये बर्ताव है तुम्हारा उनके बेटे के साथ। निकल जाओ यहाँ से इससे पहले कि मेरे हाथों से कोई अनर्थ हो जाए।–रु39य मुकेश कहते कहते चक्कर खा जमीन पर गिर पड़ा। उसकी पत्नी दौड़ के उसके पास गई और उसको उठाने लगी। केशव ने सामने रखे पानी के ग्लास से मुकेश को पानी पिलाया। थोड़ी देर बाद मुकेश को होश आया तो केशव ने कहा, –रु39यअपना ध्यान रखो, बेटा। मैं निकलता हूँ। शायद मुझे तुम्हे सच नहीं बताना चाहिए था। इंद्रजीत ने भी तो जीते जी तुम्हे सच का पता न चलने दिया।–रु39य कांपते हुए होंठों से मुकेश बड़बड़ाया, 'कृपा करके कह दें जो कुछ भी आपने कहा वो सब झूठ है।' –रु39यकाश कि मैं कह सकता।–रु39य मुकेश की पत्नी ने सहारा देकर उसे सोफे पर बिठाया। उसकी आँखों से आंसू धारा प्रवाह बह रहे थे। उसकी पत्नी ने उसे पानी का ग्लास दिया। उसे सामान्य होने में कुछ समय लगा। –रु39यअब जो भी सच है वो आप पूरा–पूरा बताएं।–रु39य केशव अंकल ने फिर से बोलना शुरू किया, 'इंद्रजीत और भाभी का एक बेटा था जो गुजर गया जब वो केवल एक साल का था। फिर एक महीने बाद, वो लोग सुबह–सुबह शिव जी के मंदिर गए, वहां उन्होंने मंदिर के प्रवेश द्वार पर जमा भीड़ देखी। पूछने पर पता चला कि किसी ने मंदिर की सीढ़ियों पर एक नवजात शिशु को छोड़ दिया था। इंद्रजीत ने तुरंत पंडित जी से बात की और उस बच्चे को गोद लेने की इच्छा जाहिर की। पंडित जी इंद्रजीत और भाभी को बहुत समय से जानते थे और इसलिए उन्होंने उस बच्चे को उन्हें दे दिया।' मुकेश का चेहरा पसीने से भीगा हुआ था। उसने अपने रुमाल से अपना चेहरा पोंछा। 'बताने की जरूरत नहीं है कि वो बच्चा तुम थे।' केशव ने अपनी बात पूरी की। 'पापा और मम्मी ने मुझे गोद लेने के बाद और बच्चे पैदा करने की कोशिश नहीं की?' मुकेश ने पूछा। केशव ने इंकार में सर हिलाया। 'वे तुम्हारे साथ इतने खुश थे कि उन्हें किसी और बच्चे की जरुरत ही महसूस नहीं हुई। हालांकि वो चाहते तो कर सकते थे।' मुकेश ने केशव अंकल के दोनों हाथ पकड़ कर उनको अपने माथे से लगा लिया और वहीं जमीन पर बैठ गया। रह रह कर उसे अपने देवता तुल्य पिता का चेहरा याद आता रहा और वो सुबकता रहा। उसे खुद पर क्रोध भी आता रहा और खुद से नफरत भी होती रही। जिस पिता ने उस जन्मतः अनाथ को कभी उसका सच ही न पता चलने दिया, वो ही उनकी आखिरी इच्छा पूरी न कर सका। एक सप्ताह बाद, मुकेश अपनी पत्नी के साथ एक अनाथालय पहुंचा और वहां के प्रबंधक से कहा,

आदर्श नगर पंचायत बीघापुर की तरफ से 'सृजन व शब्दगंगा शुद्धि अभियान संस्थान द्वारा आयोजित 18वें राष्ट्रीय कवि सम्मेलन की हार्दिक शुभकामनाएं

75 आज़ादी का अमृत महोत्सव

नगर पंचायत आपसे निम्न अपेक्षाएं करती है

1. जन्म–मृत्यु का पंजीकरण अवश्य करायें।
2. नगर आपका है इसे स्वच्छ बनाने में सहयोग दें।
3. नालियों में कूड़ा व पॉलीथीन न डालें।
4. कूड़ा निर्धारित कूड़ेदान में ही डालें।
5. जलकर व गृहकर की आदायगी समय पर करें।
6. शुष्क शौचालयों को जल प्रवाहित शौचालयों में परिवर्तित करवा लें।
7. पॉलीथीन का विक्रय उपयोग प्रतिबन्धित है, द्वेष सिद्ध होने पर कारावास व जुर्माना हो सकता है।
8. जल ही जीवन है नल की टोटी खुली न छोड़ें।

बीघापुर नगर पंचायत में विकास के आयाम

राजकीय बीज भण्डार का निर्माण, बारातशाला, कान्हा गौशाला, आसय कॉलोनी लाइब्रेरी का निर्माण, तालाबों का सौन्दर्यीकरण, शेष आबादी का विद्युतीकरण, सीमा विस्तार मार्गो में स्ट्रीट लाइट जनरेटर की व्यवस्था, पेयजल के लिए 5 आर.ओ. कूलर व पानी की छोटी टँकिया, मुख्य मार्ग का निर्माण व चौड़ीकरण

नगर पंचायत के बहुमुखी विकास व जरूरतमंद बेसहारा लोगों की मदद के लिए हर पल तत्पर रहकर आप सबके मार्ग दर्शन सहयोग व आशीर्वाद के साथ सेवा के लिए कृत-संकल्पित है।

(अंकिता देवी)
अधिशासी अधिकारी
नगर पंचायत, बीघापुर

(सुधीर बाजपेई)
अध्यक्ष–प्रतिनिधि
नगर पंचायत, बीघापुर

(सुशील कुमार बाकुश)
अध्यक्ष
नगर पंचायत, बीघापुर

श्री गणेशाय नमः

प्रीति ही पैगाम है

एक मन मेरा बोले, प्रीति ही पैगाम हैं।
एक आशा है तुम्हारी बस प्रभू का नाम है।
श्याम जी वंशी बजाते, राधिका के नाम की।
जो हैं जग के खेवइया बस उन्हीं की जानकी ॥

पशु ये पक्षी नृत्य करते करते सब गुणगान है।
आ जाओ तुम कन्हैया बस प्रभू का नाम है। मीरा है
गुणगान करती कान्हा जी के नाम की।
राधा जी पायल बजाती जबकि सब हैं जानती ॥

एक है जो प्रीति सच्ची राधा को पैगाम है।
नर और नारी गीत गाते कहते सीता-राम है॥

एक है आशा तुम्हारी बस प्रभू का नाम है।

– सौरभ पाण्डेय

आदर्श नगर पंचायत रसूलाबाद की तरफ से 'सृजन व शब्दगंगा शुद्धि अभियान संस्थान द्वारा आयोजित 18वें राष्ट्रीय कवि सम्मेलन की हार्दिक शुभकामनाएं

75
आज़ादी का
अमृत महोत्सव

नगर पंचायत आपसे निम्न अपेक्षाएं करती है

1. जन्म–मृत्यु का पंजीकरण अवश्य करायें।
2. नगर आपका है इसे स्वच्छ बनाने में सहयोग दें।
3. नालियों में कूड़ा व पॉलीथीन न डालें।
4. कूड़ा निर्धारित कूड़ेदान में ही डालें।
5. जलकर व गृहकर की आदायगी समय पर करें।
6. शुष्क शौचालयों को जल प्रवाहित शौचालयों में परिवर्तित करवा लें।
7. पॉलीथीन का विक्रय उपयोग प्रतिबन्धित है, द्वेष सिद्ध होने पर कारावास व जुर्माना हो सकता है।
8. जल ही जीवन है नल की टोटी खुली न छोड़ें।

बीघापुर नगर पंचायत में विकास के आयाम

राजकीय बीज भण्डार का निर्माण, बारातशाला, कान्हा गौशाला
आसय कॉलोनी, लाइब्रेरी का निर्माण, तालाबों का सौन्दर्यीकरण
शेष आबादी का विद्युतीकरण, सीमा विस्तार
मार्गो में स्ट्रीट लाइट जनरेटर की व्यवस्था, पेयजल के लिए 5 आर.ओ. कूलर
व पानी की छोटी टँकिया, मुख्य मार्ग का निर्माण व चौड़ीकरण

नगर पंचायत के बहुमुखी विकास व जरूरतमंद बेसहारा लोगों की मदद
के लिए हर पल तत्पर रहकर आप सबके मार्ग दर्शन
सहयोग व आशीर्वाद के साथ सेवा के लिए कृत-संकल्पित है।

(मुकेश कुमार मिश्रा)
अधिशासी अधिकारी
नगर पंचायत, रसूलाबाद

(श्रीमती गज़ाला नईम)
अध्यक्ष
अध्यक्ष प्रतिनिधि– नईमुद्दीन अंसारी
नगर पंचायत, बीघापुर

मेरी प्यारी अम्मा

जन्म हुआ तो सबसे नाते जुड़ गए।
भरा भरा संसार मिला मोह के बंधन बंध गए॥
अम्मा तुमने खुले दिल से अपनाया।
क्या कमाल का परिवार मैंने पाया॥

त्योहार का आना तुम्हारा सजग हो जाना।
हर रीत नीति का सभी को ध्यान कराना॥
आज हर बात तुम्हारी सबको याद आती है।
हर उत्सव हर नए दिन पर कुछ न कुछ कमी रह जाती है॥

बचपन के किस्से दोहराना अधूरा है रह जाता ।
वो तुम्हारे दिए अजब गजब नामो से अब कौन पुकारने आता॥
जब भी कोई बीता हुआ किस्सा याद आता।
तुम्हारा मुस्कुराता हुआ चेहरा आंखो में उतर आता॥

वो सरल हँसीं जो बड़ी बड़ी मुश्किलों को भी गुमराह कर दे।
ऐसा बड़प्पन किसी और में नहीं नजर आये॥
एक बात थी जो अब नहीं है और न होगी कभी।
कि बात कुछ भी हो तुमसे कहने में कभी न झिझक हुई॥

सबने हर बात की कुछ काट निकाली।
तुमने न कभी मेरी कोई बात टाली॥
कहते है सब कि समय नही रुकता।
मगर फर्क ज्यादा पता नहीं लगता॥

तब तुम साथ थी अब तुम्हारी सीख साथ है।
वो दिन याद कर लो तो लगता है कि बस कल की ही बात है॥
मेरी प्यारी अम्मा हम सबको आपकी याद बहुत आती है।
आप ही तो इस घर की दीप थी हम सब उसकी बाती है॥

– मीनाक्षी दीक्षित

मुक्तक

अब हर दिन आयाम

है बेटा कर्म तो फिर पुण्य बेटी होती है
हो मां दुखी तो उसके संग बेटी रोती है
हो मां निराश तो फिर मां का साथ देती थी ,
मां चाहे कुछ कहे पर मां का पाठ लेती थी ।

सालों साल का सजा हुआ उपहार जा रही है ,
लगता है बन दुल्हनिया , उस पार जा रही है ..!

मेरी हर शौक पर गुल्लक निसार देती थी
हमेशा मुझको वो मैया सा प्यार देती थी
हमेशा गलती पर वो मुझको डांट लेती थी,
मां जब भी मारती तो दर्द बांट लेती थी ।

वो गुड़िया मेरी मैया का वो दुलार जा रही है
लगता है बन दुल्हनिया , उस पर जा रही है .....!!

पिता की प्यास की वो आश बनी रहती थी
मन दुखी हो फिर भी खुश वो बनी रहती थी
पिता की देख हंसी दुख को थाम लेती थी ,
वो बड़े गर्व से पिता का नाम लेती थी ।

बाबुल का छोड़ नाम वो घर द्वार जा रही है
लगता है बन दुल्हनिया उस पार जा रही है....!!!

सुनो कुछ लब्धि को सामर्थ्यता जाया न करो
कभी लाचार के दहेज को खाया न करो
हो पैदा बेटी तो मन से कभी हारा न करो ,
ये तो धन है इसे तुम कोख में मारा न करो।

वो जाती तो लगता आंसुओं की धार जा रही है
लगता है बन दुल्हनिया.. उस पार जा रही है .....!!!!!

–ओमजी त्रिवेदी

'सृजन' व शब्दगंगा संस्थान द्वारा आयोजित काव्य समारोह पर पधारें वाणीपुत्रों व अभ्यागतों का

हार्दिक स्वागत व अभिनन्दन

श्री सत्येन्द्र त्रिपाठी

(राजस्व विभाग)

'सृजन' व शब्दगंगा संस्थान द्वारा आयोजित
काव्य समारोह पर पधारें वाणीपुत्रों व अभ्यागतों का

हार्दिक स्वागत
व अभिनन्दन

धर्मेन्द्र कुमार मिश्रा
अधिवक्ता

'सृजन' व शब्दगंगा संस्थान द्वारा आयोजित
काव्य समारोह पर पधारें वाणीपुत्रों व अभ्यागतों का

हार्दिक स्वागत
व अभिनन्दन

राकेश कुमार मिश्रा
सृजन व शब्दगंगा सारथी

'सृजन व शब्दगंगा शुद्धि अभियान संस्थान द्वारा आयोजित
18वें राष्ट्रीय कवि सम्मेलन की हार्दिक शुभकामनाएं

मेसर्स आरती फूड एण्ड बेवरेज़ेज

सची पैकेज़्ड ड्रिन्किंग वाटर

मो.: 7309875555, 9838045000

हमारे यहाँ शादी पार्टी एवं अन्य कार्यक्रमों में
आर0ओ0 पानी सप्लाई की सुविधा उपलब्ध है।

स्थान :
ए-104, आवास विकास कॉलोनी
उन्नाव-209801 (उ0प्र0)

सृजन-40

'सृजन' व शब्दगंगा संस्थान द्वारा आयोजित
काव्य समारोह पर पधारें वाणीपुत्रों व अभ्यागतों का

हार्दिक स्वागत व अभिनन्दन

राकेश तिवारी 'राही'

राष्ट्रीय प्रवक्ता-शब्दगंगा/राष्ट्रीय कवि

'सृजन' व शब्दगंगा संस्थान द्वारा आयोजित
काव्य समारोह पर पधारें वाणीपुत्रों व अभ्यागतों का

हार्दिक स्वागत व अभिनन्दन

रवीन्द्र बाबू

शब्दगंगा सारथी

आक्रोश नारी का

यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते....का मंद हुआ घोष !
शोषित पीड़ित नारी में, उपजा आक्रोश!
पुरुषों के युद्ध में भी, माता को गाली,
कब तक ओढ़े रहेगी लज्जा की लाली ?
कुछ बनीं सुरसा, विकराल मुख रूप वाली,
तो कुछ पूतना, ताड़का या अनुसुइया, काली !
परिवर्तन के युग में बदल गई अबला,
बजाने निकल पड़ी चंड मुंड का तबला,
बढ़ी आगे बनकर- "आ बला!"
थी प्रणय की प्रतिमा यह चंद्रमुखी,
सात्विक आंच में तप हुई सूर्यमुखी,
किन्तु कामुक दृष्टि से जब हुई दुखी,
बन बैठी एकाएक 'ज्वालामुखी!"

अर्द्ध नारीश्वर की संगिनी सदाचारी,
सीता अहिल्या राधा सहती रही बेचारी,
निर्भया को डंसने लगे नाग व्याभिचारी,
वह अबला, बनकर उठी आरी, दुधारी,
वहशी कांपे, चिल्लाये "ना-आ-री!"

ये है वही महिलाएं,
सदियों से
पति पुत्र हित व्रत निभायें
उन पर निछावर हो जायें,
गऊ सदृश पुच्छ हिलाएं !
धृष्ट आदेश का पालन कर लाएं,
किन्तु जब चोट पर चोट खाती जाएं,
यही महिलाएं, जी हां, यही महिलाएं,
"महि'हिलाएं !!!".....!!!!

– डॉ. शशि रंजना "शिंजिनी"

मुक्तक

1.
अब हर दिन आयाम बदलते रहते हैं,
बाजारों में दाम बदलते रहते हैं।
गिरगिट जैसे लोग आजकल सभी जगह,
सुबह दोपहर शाम बदलते रहते हैं।

2.
करना अच्छे काम बना कुछ रोड़ा है,
मन इससे अब आहत थोड़ा-थोड़ा है।
कितना दुश्कर सोच बदलना है उसकी,
सिर्फ नजरिए में ही जिसके फोड़ा है।

3.
सबको हितकर काम जरूरी लगता है,
साहित्यिक आयाम जरूरी लगता है।
क्या खोना क्या पाना आखिर दुनिया में,
जीवन में एक नाम जरूरी लगता है।

4.
है कितनी अनमोल कहानी जीवन की,
मौजों की भी एक रवानी जीवन की।
ऊंची नीची रोज-रोज की बात यहां,
संघर्षों की एक निशानी जीवन की।

5.
ज्योतिष बोले तेरी किस्मत सोती है,
कवि बोले तू ही भविष्य का मोती है।
दोनों की ही बात विरोधाभाषी क्यों,
जिसकी लाठी भैंस उसी की होती है।

– शशि नारायण त्रिपाठी

श्री श्री 108 स्वामी जगदीशाश्रम जी महाराज

ग्राम- तोरना, पो. दबौली, फतेहपुर-84

जनपद-उन्नाव

गुरू वन्दना

श्रुति स्मृति पुराणानामात्नयं करूणालयम् ।
नमामि भगवत्पादं शंकरं लोक शंकरम् ।।

शंकर शंकराचार्य केशवं वादरायणम् ।
सूयभाष्य कृतौ वन्दे भगवन्तौ पुनः पुनः ।।

ईश्वरो गुरूरात्मेति मूर्ति भेद विभावने ।
व्योमवद् व्याप्त देहाय दक्षिणा मूर्तये नमः ।।

नारायण समारम्भां शंकरार्चा मध्यमाम् ।
अस्मदाचार्य पर्यन्तां वन्दे गुरू परम्पराम् ।।

मुझे यह जानकर हार्दिक प्रसन्नता का अनुभव हो रहा है कि गत वर्षो की भाँति इस वर्ष भी कलम और तलवार की धनी साहित्यिक नगरी उन्नाव में अन्तर्राष्ट्रीय/राष्ट्रीय साहित्यकार सम्मेलन एवं सृजन स्मारिका का प्रकाशन होने जा रहा है। इस कार्यक्रम के आयोजन की सफलता की मैं ईश्वर से प्रार्थना करता हूँ।

भवदीय

स्वामी जगदीशाश्रम

तोरना, दबौली, उन्नाव

"शब्दांजलि"

क्षरण नहीं जिसका होता है,
सदा प्रवाहित रहता है।
अक्षर -अक्षर शिव स्वरूप बन,
सृजन सृष्टि का करता है।।
शब्द ब्रह्म है ,ब्रह्म शब्द है,
भाव व्यक्त वह करता है,।
आत्म स्वरूप प्रकट होता ,
आकार ग्रहण जब करता है।।
नाद ब्रह्म का है निनाद वाह,
कवणित वेणु बन जाता है।
प्रेम सुधा रस धार बहाकर,
सरस सभी को करता है।।
वसुधा के कण-कण गुंजित हो,
गीत विजन का बन जाते है।
लय,तुक,ताल मुखर होते,
संगीत बजा जब करता है।।

शुद्ध -अशुद्ध भाव है मन के,
जिसे व्यक्त वह करता है।
शब्द -शब्द साकार बना,
निर्लिप्त सदा ही रहता है
अविरल धारा का प्रवाह सा ,
प्रतिपल बहता रहता है।
भाव कुभाव सभी धारण कर,
गतिमान सदा ही रहता है।।
ब्रह्म सिद्ध है शब्द साधना,
ज्ञान कहां खो जाता है?
सारा जगत नाद है उसका,
भान नहीं क्यों हो पाता है?
शब्दों की पावन गंगा में,
शुद्ध शब्द ही सदा बहाएं!
नाद ब्रह्म को आओ मिलकर,
शब्दांजलि अर्पित कर जाएं।।

अनुज कुमार तिवारी

शब्द-गंगा शुद्धि अभियान

(शब्द-प्रदूषण मुक्ति अभियान)

शब्द–गंगा शुद्धि अभियान का अभिप्राय एवं इसका प्रयोजन उस शाश्वत अवधारणा से है, जो सर्वविदित है कि शब्दों का निर्माण कभी न क्षरित होने वाले यथा नाम अक्षरों से होता है। अर्थात, अखिल ब्रह्माण्ड में व्याप्त ईथर नामक महातत्व में हमारे द्वारा उच्चारित शब्द हजारों मील प्रति सेकेण्ड की दर से तैरते रहते हैं और ये शब्द कभी नष्ट नहीं होते हैं। यही कारण है कि दूरभाष एवं चलभाष यन्त्रों द्वारा हमारे उच्चारित शब्दों को ईथर महातत्व (शब्द गंगा) से चुम्बकीय प्रभाव द्वारा आकृष्ट कर लिया जाता है। हमारा मस्तिष्क विचारों का यन्त्र है। विचारों का मूर्तरुप, हमारे द्वारा उच्चारित शब्द हैं, जो अखिल ब्रह्माण्ड में व्याप्त हो जाते हैं और जिन्हें उच्चारित करने के पश्चात हम वापस नहीं ले सकते हैं, अर्थात हम उनके अस्तित्व को समाप्त नहीं कर सकते हैं। वैज्ञानिक अनुसंधान एवं सिद्धान्तों का प्रतिपादन एक सतत प्रक्रिया है। गूढ़ तत्वों और रहस्यों की विद्यमानता का उद्घाटन समय–समय पर पृथक–पृथक तरीके से भी हो सकता है। किन्तु शब्दों की अक्षुण्णता की अनुभूति अत्यंत सहजता से मानवनिर्मित यन्त्रों द्वारा आवाज को अभिलिखित करके भी किया जा सकता है।

अतः हमारा दायित्व है कि ब्रह्माण्ड में शुद्ध एवं सार्थक शब्द ही प्रवाहित करें और अपशब्दों के प्रयोग से बचें। इस ध्येय से मैं सृजन साहित्यिक एवं सामाजिक सेवा संस्थान–उन्नाव की ओर से अभूतपूर्व वैचारिक महाभियान शब्द–गंगा शुद्धि अभियान (शब्द–प्रदूषण मुक्ति अभियान), जो अब शब्दगंगा शुद्धि अभियान संस्थान का भी महनीय ध्येय है, का विश्वव्यापी जन–जागरुकता के उद्देश्य से गणतंत्र–दिवस की पूर्व संध्या 25 जनवरी, 2015 को शुभारम्भ कर इसकी सफलता हेतु निम्नांकित बिन्दुओं पर आप सभी का ध्यान आकृष्ट करना चाहता हूँ :

1– शब्द–गंगा में अमर्यादित एवं अवांछनीय शब्द विसर्जित न किए जाएं
2– अपने विचार पवित्र रखे जाएं।
3– विचारों को पवित्र रखने के लिए संस्कारों पर विशेष ध्यान दिया जाए।
4– शब्द–गंगा में पवित्र शब्द ही प्रवाहित किए जाएं, क्योंकि यह शब्द–गंगा हम सभी की है और हम सभी इससे प्रभावित होंगे।
5– अमर्यादित शब्दों का शमन पवित्र शब्दों से किया जाए।

आप सभी से विनयपूर्वक निवेदन है कि इस अभियान से मनसा–वाचा–कर्मणा जुड़कर अपना अमूल्य सहयोग प्रदान करने की कृपा करें। और, अपने बहुमूल्य सुझावों से हमें अवगत कराने की कृपा करें।

धन्यवाद!

जय भारत! जय भारती!! जय शब्द–गंगा!!!

साभार,

विनय शंकर दीक्षित 'आशु'
राष्ट्रीय अध्यक्ष– शब्दगंगा शुद्धि अभियान संस्थान
संस्थापक/महामंत्री–सृजन साहित्यिक एवं सामाजिक सेवा संस्थान

निवेदकः–
शब्दगंगा शुद्धि अभियान संस्थान
सृजन साहित्यिक एवं सामाजिक सेवा संस्थान,
बी–525, उदयन भवन, आवास विकास कालोनी,
निकट बाईपास, उन्नाव–209801 उ.प्र., भारत।
अणुप्रेषः shabdganga. shudhhiabhiyan@gmail.com

सृजन व शब्दगंगा संस्थान द्वारा आयोजित अखिल भारतीय काव्य
समारोह पर पधारे वाणी पुत्रों का हार्दिक स्वागत एवं अभिनन्दन!

पण्डित भोजनालय एवं रेस्टोरेन्ट

प्रो. मोनू मिश्रा

Mob.: 9451161040

पता : सहजनी, उन्नाव

शब्दगंगा आरती

शब्द-गंगा !
स्वीकार करिये सृजन का शत-शत नमन।
सकल ब्रह्ममाण्ड में तुम प्रवाहित तुम्हारे सारे वतन ॥

हम सभी के विचार शुद्ध हों शुद्ध चिन्तन ।
प्रवाहित शब्द- शुद्ध हों सदा शुचि मनन ॥

'शब्द- गंगा शुद्धि' हम सभी का शतत अभियान हो ।
समूची सृष्टि के मानव में बुद्धि-विवेक ज्ञान हो ॥

संस्कारों से सदा शुद्ध अन्त:करण हो निर्मित हमारा ।
प्रेम पावन प्रस्फुटित हो, 'शब्द-गंगा शुद्धि' अभियान न्यारा ॥

'शब्द-गंगा' हम सभी मिलकर उतारें तुम्हारी आरती ।
जय भारती ! जय भारती !! जय-जय-जय भारती !!!

- डॉ. विनयशंकर दीक्षित 'आशु'

!! श्री गणेशाय नमः !!

आमंत्रण

शब्दगंगा शुद्धि अभियान (शब्द-प्रदूषण मुक्ति अभियान) के संवाहन में

शब्दगंगा शुद्धि अभियान संस्थान

सृजन साहित्यिक एवं सामाजिक सेवा संस्थान, उन्नाव (उ०प्र०) - भारत

प्रस्तुत करता है

18वाँ

राष्ट्रीय कवि सम्मेलन

एवं सम्मान समारोह

सम्मान समारोह समय
सायं 5:30 से 7:30

दिनांक 18 नवम्बर 2023 (शनिवार)

स्थान 'उदयन भवन' आवास विकास कॉलोनी, उन्नाव

कवि सम्मेलन समय
सायं 8:00 से

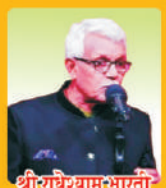

उक्त कार्यक्रम में आप इष्ट-मित्रों सहित सादर आमंत्रित हैं।

आमंत्रित कविगण

साग्रह

भगवान वत्स सिंह चन्देल
अध्यक्ष-सृजन
मो0-8218344839

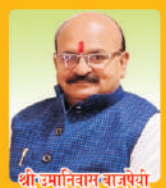

ओ.पी. तिवारी
राष्ट्रीय उपाध्यक्ष / स्वागताध्यक्ष
मो0-9454377082

अशोक कुमार 'मुन्ना सिंह'
राष्ट्रीय संगठन प्रभारी / सभासद
मो0-7985163737

प्रेम कुमार सिंह सेंगर
राष्ट्रीय महासचिव
मो0-9935370985

डॉ. विनय शंकर दीक्षित 'आशु'
राष्ट्रीय अध्यक्ष-शब्दगंगा / अधिवक्ता
मो0-9450056934

एवं सकल शब्दगंगा-सृजन परिवार

सम्मान-सूची

क्र.सं.	नाम	सम्मान	स्मृति में	द्वारा
१	प्रोफेसर बिन्देश्वरी अग्रवाल (अमेरिका)	राष्ट्र-गौरव	श्री वीरेन्द्र सिंह	कु. प्रेम सिंह सेंगर
२	श्री राजबहादुर सिंह चन्देल मा. स.वि.प.	प्रदेश-गौरव	श्री प्रवीण शंकर दीक्षित	डॉ. विनय आशु
३	श्री कुलदीप पति त्रिपाठी अ. महाधिवक्ता	अधिवक्ता-गौरव	श्रीमती मनोरमा तिवारी	श्री ओ.पी. तिवारी
४	श्री अखिलेश अवस्थी-मा. सदस्य बार	अधिवक्ता-गौरव	श्री रामप्रताप सिंह	श्री भगवानवत्स चन्देल
५	श्री प्रशांत सिंह अटल-मा. सदस्य बार	अधिवक्ता-गौरव	श्री मुन्ना लाल मिश्रा	श्री ललित मिश्रा
६	श्री परेश मिश्र-मा. सदस्य बार	अधिवक्ता-गौरव	पं. रामप्यारे शुक्ल	श्री रामबोध शुक्ल
७	प्रोफेसर योगेश चन्द्र दुबे	राष्ट्र-रत्न	श्रीमती ज्ञानवती दीक्षित	डॉ. राजीव दीक्षित
८	श्री पवन कुमार (आई.ए.एस.)	शब्दगंगा-शिखर	श्रीमती सरोजनी निगम	श्री नीरज निगम
९	डॉ. राजीव दीक्षित (आई.पी.एस.)	उन्नाव गौरव	श्रीमती रमा दीक्षित	श्री कृष्ण शंकर दीक्षित
१०	डॉ. नीलम शर्मा -व. कोषाधिकारी	शब्द-शिरोमणि	डॉ. बाबू सिंह	श्री अशोक कुमार मुन्ना सिंह
११	श्री अनुराग मिश्र 'गैर' -सहा०आब०आ०	सृजन-शिरोमणि	पं. शिवाकान्त शुक्ल	श्री संजय व अजय शुक्ल
१२	श्री आनन्दमणि त्रिपाठी-अध्यक्ष-अवध बार	अधिवक्ता-गौरव	पं. रमाकान्त द्विवेदी	श्री भानू प्रताप सिंह
१३	श्री मनोज कुमार मिश्रा-महामंत्री-अवध बार	अधिवक्ता-गौरव	श्री रामशंकर द्विवेदी	श्री राजेन्द्र कुमार द्विवेदी
१४	कार्यकारिणी अवध बार, उच्च न्यायालय	अधिवक्ता-रत्न	शब्दगंगा परिवार	महासचिव शब्दगंगा
१५	श्री रामसुमेर सिंह- अध्यक्ष-उन्नाव बार	अधिवक्ता-गौरव	श्रीमती शारदा शुक्ल	श्री वैभव शुक्ल
१६	श्री अजय गौतम-महामंत्री-उन्नाव बार	अधिवक्ता-गौरव	श्रीमती बिट्टो देवी	श्री राकेश तिवारी 'राही'
१७	श्री कौशलेन्द्र प्रताप सिंह-पूर्व शिक्षक	शिक्षा-गौरव	श्री श्री नारायण मिश्र	श्री धर्मेन्द्र मिश्र
१८	डॉ. रामनरेश यादव- पूर्व प्राचार्य	शब्दगंगा शीर्ष-सम्मान	श्री रामलाल मिश्र	श्री अनुराग मिश्र 'गैर'
१९	श्री देवी प्रसाद शुक्ल-पूर्व प्रचार्य	शिक्षा-गौरव	श्री राजकुमार निगम	श्री पवन व आशीष निगम
२०	डॉ. सौम्या पटेल-	चिकित्सा-रत्न	श्रीमती सोनेश्वरी	श्री मुकेश सैनी
२१	श्रीमती सोनी अवस्थी शुक्ला	नारी-रत्न	श्रीमती तारा देवी	श्री हरि प्रकाश श्रीवास्तव
२२	श्री सरस आजाद	उन्नाव-रत्न	पं. लक्ष्मी नारायण शुक्ला	श्री सुशील शुक्ला
२३	नवयुग जन चेतना सेवा संस्थान-उन्नाव	समाज-शिरोमणि	श्रीमती सावित्री देवी	श्री प्रदीप कुमार श्रीवास्तव
२४	विश्व साहित्य सेवा ट्रस्ट, आगरा	सृजन-शिखर	पं. सुन्दरलाल पाण्डेय	श्री मनोज कुमार पाण्डेय
२५	श्री गौरव शुक्ल	शब्दगंगा-सारथी	श्री चक्रपाणि तिवारी	श्री राकेश तिवारी 'राही'
२६.	दिग्विजय नाथ दुबे-वरिष्ठ अधिवक्ता	अधिवक्ता-गौरव	पं. रमाकान्त द्विवेदी	श्री भानू प्रताप सिंह
२७.	सर्वेश कुमार दुबे-अधिवक्ता	अधिवक्ता-रत्न	श्री रामशंकर द्विवेदी	श्री राजेन्द्र कुमार द्विवेदी
२८.	कविगण	शब्दगंगा	सृजन परिवार	राष्ट्रीय उपा.-शब्दगंगा
२९.	कतिपय अन्य अति विशिष्ट सम्मान	सृजन	शब्दगंगा परिवार	अध्यक्ष-सृजन

लाइव प्रसारण को देखने के लिये शब्दगंगा एवं 2YoDo TV के यूटयूब एवं फेसबुक पर लॉगइन करें।

2YoDo TV / YouTube /

श्री गणेशाय नमः

!! आमंत्रण !!

卐 सारस्वत महायज्ञ 卐

शब्दगंगा शुद्धि अभियान

(शब्द-प्रदूषण मुक्ति अभियान)

के संवाहन में

शब्दगंगा शुद्धि अभियान संस्थान

व

सृजन साहित्यिक एवं सामाजिक सेवा संस्थान उन्नाव (उ0प्र0)-भारत

सम्पर्क : बी-525, उदयन भवन, आवास विकास कॉलोनी, उन्नाव-209801 (उ0प्र0)-भारत

E-mail : shabdganga.shudhhiabhiyan@gmail.com www.shabdganga.org

द्वारा आयोजित राष्ट्रीय कवि सम्मेलन

दिनांकः 18 नवम्बर, 2023 (शनिवार)

सान्निध्य

भगवान बक्स सिंह चन्देल
अध्यक्ष-सृजन
मो0-8218344839

ओ. पी. तिवारी
राष्ट्रीय उपाध्यक्ष/अधिवक्ता
मो0-9454377082

अशोक कुमार 'मुन्ना सिंह'
राष्ट्रीय संगठन प्रभारी/सभासद
मो0-7985163737

प्रेम कुमार सिंह सेंगर
राष्ट्रीय महासचिव
मो0-9935370985

डॉ. विनय शंकर दीक्षित 'आशु'
राष्ट्रीय अध्यक्ष-शब्दगंगा/अधिवक्ता
मो0-9450056934

संरक्षक मण्डल

डॉ० महेश चन्द्र मिश्र 'विधु'

श्री सुरेश चन्द्र तिवारी 'पथिक'

डॉ०राजीव दीक्षित

पं०प्रेम कुमार दीक्षित

सेवाव्रती जनसेवी शब्दगंगा-सृजन सारथी

शकुन सिंह
अध्यक्षा-जि.पं०, उन्नाव

पंकज गुप्ता
विधायक-सदर

आशुतोष शुक्ल
विधायक-भगवन्तनंगर

बम्बालाल दिवाकर
विधायक-सफीपुर

श्वेता मिश्रा
अध्यक्षा-न० पा० प०, उन्नाव

नीरज गुप्ता
ब्लाक प्रमुख-बिछिया, उन्नाव

प्रवीण मिश्रा 'भानू'

विमल द्विवेदी

प्रशान्त कटियार 'मन्नू'

इजहार खाँ गुड्डू

अवधेश सिंह

AMBANI
HOME SOLUTIONS
TILES, GRANITE
SANITARY WARE
FAUCETS
Kerovit is freedom
By Kajaria
WORLD CLASS
SANITARY & FAUCETS
AMRENDRA NIGAM -8400403676, 7355137239
Add.: Gadan Khera Bypass, Unnao

मुख्य शब्दगंगा-सृजन सारथी

ललित मिश्रा

अजय शुक्ला

पवन निगम

नीरज निगम

अशोक द्विवेदी

सुरेन्द्र वर्मा

सतीश राजपाल 'गुल्लू'

संजय भारतीय

गोपाल शुक्ला

देव शंकर वर्मा

संजय गुप्ता

सुशील शुक्ला

राजीव सिंह

कुलदीप सिंह

गिरीश चन्द्र शुक्ल

रामबोध शुक्ला

M/s. GAYTRI TRADERS
JAYPEE CEMENT
Ajay Shukla Prop.
M. 9839605297
18-Avas vikas. colony, Unnao

राज टेन्ट हाउस
प्रोप्राइटर - आशीष कुमार
Mob.: 9335498334, 9935425724
सहयोगी प्रतिष्ठान: पामग्रूव लॉन
(मोती नगर, उन्नाव रेल पार-पुल के पास)

SHIVAYA CLINIC & HOSPITAL
Dr. Avinash Singh Chauhan
B.A.M.S, F.I.P.M, F.S.K.S (Mumbai)
+91 9424-84-2988
info@shivayahospital.com
www.shivayahospital.com
B-179, Awas Vikas Colony, Unnao-209801

V NOIDA ENGINEERING & MACHINES C
H.P. Srivastava
09810040779, 9506812454
Generator Available on Hire,
Annual Operation & Maintenance Contract of D.G. Set
E-mail : hpsrivastava.neam@gmail.com

अति विशिष्ट शब्दगंगा-सृजन सारथी

के०के०जन्तानी

धर्मेन्द्र मिश्र

डा. अभिनव निगम

राजेश त्रिपाठी

रमा शंकर मिश्रा

भानु प्रताप सिंह

सत्येन्द्र त्रिपाठी

मनमोहन तिवारी

उमा निवास बाजपेई

मनीष प्रताप सिंह

सुधान्शु शेखर शुक्ला

आर पी तिवारी

अनूप दीक्षित

सुशील शुक्ल

आशुतोष चौहान

डॉ०अविनाश सिंह चौहान

आर.के. वर्मा

गौरव शुक्ला

राकेश कुमार मिश्र

आर०के०द्विवेदी

चन्द्रशेखर शुक्ला

सतीश रावत

नवीन अग्रवाल

दिनेश तिवारी

डॉ. शशि रंजना

शर्मिला सिंह

मनिता सिंह सेंगर

रामलली दीक्षित

सारिका तिवारी

काजल चौधरी

आदर्श ईंट भट्ठा
लोहचा, अचलगंज-उन्नाव
आदर्श एजेन्सी
स्टाकिस्ट-हिन्दुस्तान लीवर लि.
प्रो. ललित मिश्रा 7860111121

विद्याज्ञान स्कूल, सैनिक स्कूल
प्रवेश परीक्षा की विशेष तैयारी
Mob.: 8737800900, 8738800900
शिव नगर, उन्नाव

जय माँ कल्याणी स्वीट्स
प्रो०अनूप कुमार दीक्षित
आवास विकास कालोनी, उन्नाव

SK MEDICAL & SURGICAL
SK FOOD PLAZA
9369143972, 8318279746

विशिष्ट शब्दगंगा-सृजन सारथी

अमिताभ पाल

डॉ०आशीष शुक्ला

आशीष निगम

सुधीर तिवारी

शशांक त्रिपाठी

राकेश सिंह चौहान

सर्वेश शंकर शुक्ला

दीपक त्रिवेदी

अशोक कुमार चौधरी

आदर्श शुक्ला

भोला ठाकुर

डॉ०जावेद खलीक

सिद्धान्त अवस्थी

संजय त्रिपाठी

मो०आसिफ

हरिप्रकाश श्रीवास्तव

राजेश दिलदार

रामेन्द्र दत्त सोना

शिवम त्रिपाठी

राजेश शुक्ला

श्री लक्ष्मी जेवर कोठी

शुद्ध सोने एवं चाँदी के आभूषणों
के निर्माता व विक्रेता
प्रो. नरेश कुमार शर्मा
7007152617, 8604482635
आवास विकास कॉलोनी, उन्नाव

asianpaints
Devendra P Singh
7668023642
Manglam H/W & Paints
C-200, Avas Vikash, Unnao

HOTEL
MASCOT-inn
SANJAY TRIPATHI
DIRECTOR
KANPUR LUCKNOW HIGHWAY-UNNAO

कृष्णा आयुर्वेदिक स्टोर
(श्री बैद्यनाथ, डाबर)
प्रो. प्रदीप कुमार मिश्रा 'बब्ली'
Mob.: 9151349812, 7458938084
जी.आई.सी. स्कूल के सामने, कचेहरी रोड, उन्नाव

जाँच पक्की तो बीमारी से मुक्ति
ADC ARYAN DIAGNOSTIC CENTRE
घर, क्लीनिक एवं हॉस्पिटल से सैम्पल लाने की सुविधा 24X7 घण्टे उपलब्ध है
आर्यन डायग्नोस्टिक सेन्टर
पैथोलॉजी - डिजिटल एक्स-रे - कंप्यूटराइज्ड रिपोर्ट्स
Mob.: 8353995455, 8353965455, 9643468543
सी-२२८ए ब्लाक, एल.आई.सी. ऑफिस रोड, आवास विकास कॉलोनी, उन्नाव
E-mail : aryandiagnosticcenter252@gmail.com

निशा सैनी
एडवोकेट
6306058563
Ph.: 0515-7962070
8840047268
MR. CAKE SHAKE BAKERY
मिस्टर केक शेक बेकरी
बेकर्स, फास्टफूड, नमकीन, आइसक्रीम एण्ड कोल्ड्रिंक्स
सेक्टर-ए. पी.डी. नगर, नहर के सामने- उन्नाव

GRAHSHOBHA SARIES & HANDLOOM
C-241, Awas Vikas Colony, Unnao
Mob.: 8429247653, 7007894226

HARSHIT TRADERS
C-8, Avas Vikas Colony, Unnao
Bhanu Pratap Singh-9415045604
Harsh Pratap Singh-7318018333

सेवाव्रती शब्दगंगा-सृजन सारथी

राकेश तिवारी 'राही'

संजीव सिंह चौहान

शशि नारायन त्रिपाठी

मुकेश सैनी

शिव किशोर शुक्ल

ओम जी त्रिवेदी

मयंक शुक्ला

रोहित निगम

दिवाकर शुक्ला 'एड.'

सौरभ पाण्डेय

अखिलेश त्रिवेदी

रवीन्द्र बाबू

समीर मिश्रा

नीरज चन्देल

बृजराज सिंह 'बिरजू'

मनीष द्विवेदी

आशीष शुक्ला

अजय प्रताप सिंह

अनुज वर्मा

शहंशाह आलम

विपिन तिवारी

दिनेश तिवारी

पुत्तनलाल पाल

पंकज त्रिपाठी

श्री श्री १०८ जगदीशाश्रम जी महाराज

जय माँ वैष्णों ज्वैलर्स
शुद्ध सोने एवं चाँदी के आभूषणों के निर्माता व विक्रेता
श्री श्रीनाथ माखी वाले
स्व. पन्नालाल सुनार 'माखी वाले'
कचौड़ी गली, सर्राफा बाजार, उन्नाव

हमराज़ टेलर्स
हमारे यहाँ रेडीमेड शूट एवं शेरवानी तैयार मिलती है व आर्डर देने पर तैयार की जाती है।
प्रो. मो. आरिफ Mob.: 9395651870
शिवपाल सिंह गली, बड़ा चौराहा-उन्नाव

माँ कल्याणी इलेक्ट्रानिक्स एवं इलेक्ट्रिकल
प्रो. शैलेन्द्र कुमार सिंह (नगर अध्यक्ष)
उ.प्र. उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मण्डल, उन्नाव
Mob.: 9450769097
स्थान : दरोगा बाग, उन्नाव

Hotal New Bhajan & Restaurant
Prop. Bhajan Soni
Mob.: 9452756111
IBP Chauraha, Near Dudh Mandi, Unnao

शब्दगंगा-सृजन सारथी शासकीय अधिवक्ता

अनिल त्रिपाठी

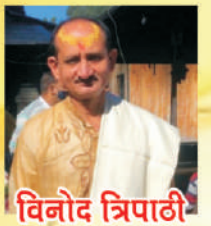

विनोद त्रिपाठी

शैलेन्द्र दीक्षित

प्रदीप श्रीवास्तव

हरीश जी अवस्थी

चन्द्रिका प्रसाद बाजपेयी

योगेन्द्र तिवारी

मनोज कुमार पाण्डेय

यशवंत सिंह

आनन्द गौड़

मनीष शुक्ला

जगन्नाथ कुशवाहा

Rastogi Electronics & Electricals
LG SHOPEE
Auth. Dist. Okaya, Battery Nasaka RO, Tata Sky, V-Guard Bajaj App. Symphony Cooler, Onida, Hitachi, Orient Fan Mob.: 9415184545
A-448, AVas Vikas Colony-Unnao

शौनक गुप्ता पुत्र सुधेश चन्द्र गुप्ता
न्यू हरीश चन्द्र गुप्ता एण्ड संस
बड़ा चौराहा, उन्नाव
Mob.: 9956039999
डॉ० अमर शेखर गुप्ता

श्री ज्वैलर्स
हमारे यहाँ शुद्ध सोने व चाँदी के फैन्सी आभूषण तैयार मिलते हैं एवं थोक व फुटकर विक्रेता
प्रो. तन्नू गुप्ता, अंकित गुप्ता सतीश चन्द्र
7054724444, 9838126152 9415746466
रसूलाबाद रोड, सफीपुर (निकट कोतवाली), उन्नाव

माँ सावित्री होम्यो क्लीनिक
डॉ. आशीष शुक्ला
आवास विकास कॉलोनी, उन्नाव

निखिल प्रकाशन समूह
आगरा, उ.प्र.
मोहन मुरारी शर्मा-9451009531-38

अनमोल फर्नीचर
9792291001

पूजा कलेक्शन | पूजा गारमेन्ट्स
Mob.: 9598027000
किड्स वियर मेन्स वियर लेडीज वियर
60, स्टेशन रोड, उन्नाव 28, सब्जी मण्डी, उन्नाव

सानियो साउण्ड एण्ड इलेक्ट्रिकल्स
Mob.: 9515594084, 9369090543
पुलिस लाइन, उन्नाव प्रो. मो. शकील

भगवती गैस एजेन्सी
(एच.पी. गैस)
५०४, आदर्श नगर, उन्नाव
Mob.: 9415061949
प्रो. संजय भाटिया

दूल्हे राजा सूटिंग शर्टिंग
श्री शिवपाल सिंह वाली गली, सदर बाजार, उन्नाव
संजय गुप्ता 9044411000

वसुन्धरा Jewels
A Symbol of Trust
9670403333, 9838620000
9670888815, 8948444492
Presented By- पुरुषोत्तम ज्वैलर्स
ए-156, आवास विकास कॉलोनी, उन्नाव
शाखाएँ : 970, आदर्श नगर, रायबरेली रोड, उन्नाव

Hotel Shiva Inn
Home delivery Free OUT DOOR CATERING
Wedding, Tilak, Mundan, Ring Ceremony Birthday, Meeting, Seminars etc.
6393310331, 6393319391, 9956070278
Shiv Nagar, Byepass Tiraha, Unnao (U.P.) - 209801

अवध ट्रान्सपोर्ट कं०
हर मांगलिक कार्य, पिकनिक, तीर्थ यात्रा आदि शुभअवसरों पर कैप्सूल लक्जरी डीलक्स व वीडियो कोच बसें। 24 घंटे उपलब्ध हैं।
स्टेशन रोड केदारी मार्केट, उन्नाव

शब्दगंगा शुद्धि अभियान (शब्द-प्रदूषण मुक्ति अभियान) के संवाहन में
शब्दगंगा शुद्धि अभियान संस्थान
सृजन साहित्यिक एवं सामाजिक सेवा संस्थान, उन्नाव (उ०प्र०)- भारत
18वाँ
राष्ट्रीय
कवि सम्मेलन
एवं सम्मान समारोह
दिनांक 18 नवम्बर 2023 (शनिवार) सायं 6 बजे
स्थान 'उदयन भवन' आवास विकास कॉलोनी, उन्नाव
2YoDo TV / YouTube /
भगवान बक्स सिंह चन्देल
डॉ. विनय शंकर दीक्षित 'आशु'
प्रेम कुमार सिंह सेंगर
अशोक कुमार 'मुन्ना सिंह'
नीरज निगम
ललित मिश्रा
अजय शुक्ला

शब्दगंगा शुद्धि अभियान (शब्द-प्रदूषण मुक्ति अभियान) के संवाहन में
शब्दगंगा शुद्धि अभियान संस्थान
सृजन साहित्यिक एवं सामाजिक सेवा संस्थान, उन्नाव (उ०प्र०)- भारत
18वाँ
राष्ट्रीय
कवि सम्मेलन
एवं सम्मान समारोह
दिनांक 18 नवम्बर 2023 (शनिवार) सायं 6 बजे
श्वेता मिश्रा
अध्यक्ष
नगर पालिका परिषद उन्नाव
प्रवीण मिश्रा 'भानू'
2YoDo TV / YouTube /
स्थान 'उदयन भवन' आवास विकास कॉलोनी, उन्नाव

शब्दगंगा शुद्धि अभियान (शब्द-प्रदूषण मुक्ति अभियान) के संवाहन में
शब्दगंगा शुद्धि अभियान संस्थान
सृजन साहित्यिक एवं सामाजिक सेवा संस्थान, उन्नाव (उ०प्र०)- भारत
18वाँ
राष्ट्रीय
कवि सम्मेलन
एवं सम्मान समारोह
पुस्तक लोकार्पण मैडली इन लव लेखक : सस्स आजाद
MADLY IN LOVE
दिनांक 18 नवम्बर 2023 (शनिवार) सायं 6 बजे
स्थान 'उदयन भवन' आवास विकास कॉलोनी, उन्नाव
2YoDo TV / YouTube /
Kerovit
वसुन्धरा Jewels
Hotel Shiva Inn
आदर्श एजेंसी
GRAHSHOBHA SARIES & HANDLOOM
HARSHIT TRADERS